राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 15, अंक 79 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, बुधवार 28 जनवरी 2026 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

कनाडा में पंजाबी युवक की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। कनाडा के बर्नाबी इलाके में एक पंजाबी मूल युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना शाम लगभग 5.30 बजे हुई। पुलिस के मुताबिक, गोली लगने के बाद युवक को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान दिलराज सिंह गिल (28) के रूप में हुई है। कुछ समय बाद बक्सटन स्ट्रीट पर एक जलती हुई कार भी मिली, जिसे पुलिस इस घटना से जोड़कर देख रही है। पुलिस का मानना है कि यह टारगेट किलिंग या गैंगवार का मामला हो सकता है। इस मामले की जांच इंटीग्रेटेड होमिसाइड इन्वेस्टिगेशन टीम कर रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अगर किसी ने शाम 4.30 से 6.30 के बीच कनाडा वे या बक्सटन स्ट्रीट के आसपास कुछ देखा हो, या डैशकैम/सीसीटीवी वीडियो हो, तो पुलिस से संपर्क करें। बता दें कि कुछ दिन पहले ही पंजाब के संगरूर से परिवार को अच्छी जिंदगी देने के मकसद से कनाडा गई युवती अमनप्रीत की भी उसके दोस्त मनप्रीत सिंह ने हत्या कर दी थी।

बर्फ की सफेद चादर को चीरती हुई निकली वंदे भारत;

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की हसीन वादियों और बर्फीले पहाड़ों के बीच फर्राटा भरती वंदे भारत एक्सप्रेस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है। इस मनमोहक वीडियो को बानीहाल के विधायक सज्जाद शाहीन ने साझा किया है, जिसके बाद से यह इंटरनेट पर छाया हुआ है। चंद सेकंड के इस क्लिप में ट्रेन हिमालय की गोद में बिछी बर्फ की मोटी परत को चीरती हुई अपनी रफ्तार से आगे बढ़ती नजर आ रही है। पटरियों से लेकर पहाड़ों तक फैली सफेदी इस दृश्य को किसी जादुई दुनिया जैसा बना रही है। यह वायरल वीडियो केवल कुदरती खूबसूरती का ही नहीं, बल्कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में भारत की इंजीनियरिंग क्षमता का भी एक जीता-जागता सबूत है। गौरतलब है कि साल 2023 में कश्मीर को पहली बार रेलमार्ग के जरिए सीधे तौर पर शेष भारत से जोड़ा गया था। उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक परियोजना के पूरा होने से घाटी को वह 'ऑल वेदर कनेक्टिविटी' मिली है, जिसका इंतजार दशकों से किया जा रहा था।

भारत-ईयू ने एफटीए वार्ता पूरी की

रसायनों के लिए शून्य शुल्क कार वाइन के लिए रियायती पहुंच.......

नयी दिल्ली/ एजेंसी

भारत और यूरोपीय संघ ने मंगलवार को मुक्त व्यापार समझौते (एफ्टीए) के लिए बातचीत पूरी होने की घोषणा की। एक अधिकारी ने बताया कि इस समझौते के तहत परिधान, रसायन और जूते-चप्पल जैसे कई घरेलू क्षेत्रों को 27 देशों के इस समूह में शुल्क-मुक्त प्रवेश मिलेगा। वहीं, यूरोपीय संघ (ईयू) को कारों और वाइन के लिए रियायती शुल्क पर भारतीय बाजार तक पहुंच प्राप्त होगी। दो दशकों से अधिक समय तक चली बातचीत के बाद संपन्न हुए इस समझौते को 'अबतक का सबसे बड़ा' समझौता कहा गया है। यह लगभग दो अरब लोगों का बाजार तैयार करेगा। अधिकारी ने कहा कि वाहन और इस्पात को छोड़कर, भारत के लगभग सभी सामानों (93 प्रतिशत से अधिक) को यूरोपीय संघ में शून्य-शुल्क पहुंच मिलेगी। बाकी छह प्रतिशत से अधिक वस्तुओं के लिए भारतीय निर्यातकों को शुल्क में कटौती और कोटा-आधारित शुल्क रियायतें (जैसे ऑटोमोबाइल के लिए) मिलेंगी। यूरोपीय संघ इस मुक्त व्यापार समझौते के लागू होने के साथ ही पहले दिन भारत के 90 प्रतिशत सामानों पर आयात शुल्क समाप्त कर देगा। यह समझौता अगले साल की शुरूआत में लागू होने की उम्मीद है। अन्य तीन प्रतिशत वस्तुओं पर शुल्क को सात वर्षों में चरणबद्ध तरीके से समाप्त किया जाएगा। अधिकारी ने कहा, इस प्रकार ईयू द्वारा भारत को व्यापार मूल्य के 99.5 प्रतिशत हिस्से पर रियायतें दी जा रही हैं। दूसरी ओर, यूरोपीय संघ को भारत में दस वर्षों की अवधि में अपने 93 प्रतिशत सामानों के लिए शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। भारत समझौते को लागू करने के पहले दिन यूरोपीय वस्तुओं के केवल 30 प्रतिशत हिस्से पर शुल्क हटाएगा। भारत यूरोपीय संघ को व्यापार मूल्य के 3.7 प्रतिशत हिस्से पर शुल्क रियायतें और कोटा-आधारित कटौती भी दे रहा है। कुल मिलाकर, भारत ईयू को व्यापार मूल्य के 97.5 प्रतिशत पर शुल्क रियायतें दे रहा है। अधिकारी ने बताया कि शुल्क-मुक्त पहुंच पाने वाले प्रमुख भारतीय क्षेत्रों में कपड़ा, परिधान, समुद्री उत्पाद, रसायन, प्लास्टिक, रबर, चमड़ा और जूते-चप्पल शामिल हैं। इसके अलावा आधार धातु, रत्न और आभूषण, फर्नीचर, खिलौने और खेल के सामान को भी यह लाभ मिलेगा। इस समय इन क्षेत्रों पर यूरोपीय संघ में शून्य से 26 प्रतिशत तक शुल्क लगता है। भारत ने एफ्टीए के तहत ईयू की वस्तुओं के लिए भी शुल्क को उदार बनाया है। अधिकारी ने कहा, हमारे मामले में, भारत 10 वर्षों में ईयू के लिए आयात शुल्क को घटाकर शून्य कर देगा। शुरूआत में शून्य तक की कमी सीमित है। समझौते के लागू होने पर हम अपने व्यापार मूल्य के 30 प्रतिशत तक की कटौती करेंगे। लेकिन धीरे-धीरे, हम अपने कुल द्विपक्षीय व्यापार मूल्य के 93 प्रतिशत पर शून्य तक पहुंच जाएंगे।सेवाओं के मोर्चे पर यूरोपीय संघ ने भारत को अपने अब तक के सबसे अच्छे प्रस्तावों में से एक दिया है। उसने 155 उप-क्षेत्रों में 144 को खोल दिया है, जबकि भारत उनके लिए 102 उप-क्षेत्र खोल रहा है।

मेडिकल उपकरण के 90 प्रतिशत उत्पाद टैक्स फ्री

इस फ्री ट्रेड डील के तहत भारत ने यूरोप से आने वाले कई उत्पादों पर लगने वाला भारी टैक्स खत्म करने या काफी कम करने पर सहमति दी है। अब रसायन, विमान, अंतरिक्ष से जुड़े उपकरण और मेडिकल मशीनें सस्ती दरों पर भारत आ सकेंगी। खास बात यह है कि मेडिकल और सर्जिकल उपकरणों के करीब 90 प्रतिशत सामान अब टैक्स-फ्री होंगे, जिससे इलाज से जुड़ी मशीनें और उपकरण सस्ते हो सकते हैं।

यूरोपीय खाद्य उत्पादों पर भी बड़ी राहत

समझौते के बाद यूरोप से आने वाले खाद्य उत्पादों पर भी बड़ी राहत मिलेगी। जैतून का तेल, मार्जरीन और दूसरे वनस्पति तेलों पर अब कोई टैक्स नहीं लगेगा। शराब पर लगने वाले टैक्स में भी बड़ी कटौती की गई है। अभी यूरोपीय शराब पर 150 प्रतिशत टैक्स लगता है, जिसे घटाकर 20 से 30 प्रतिशत किया जाएगा। बीयर पर टैक्स 110 प्रतिशत से घटकर 50 प्रतिशत होगा, जबकि स्पिरिट पर 40 प्रतिशत टैक्स लगाया जाएगा।

बीएमसी में 'किंगमेकर' शिंदे सेना के तेवर हुए तल्ख

29 पार्षदों का रजिस्ट्रेशन रद्द,क्या टूटेगी महायुति ?

नई दिल्ली/ एजेंसी

बृहन्मुंबई नगर निगम चुनाव के नतीजों के बाद अब असली लड़ाई सत्ता की कुर्सी के लिए शुरू हो गई है। किसी भी दल को बहुमत न मिलने के कारण 29 सीटों वाली एकनाथ शिंदे की शिवसेना अब 'किंगमेकर' की भूमिका में है।, हालांकि, पार्टी द्वारा अपने पार्षदों का रजिस्ट्रेशन रद्द करने से गठबंधन में संकट गहरा गया है। बीएमसी चुनाव के नतीजों ने मुंबई की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। मंगलवार को स्थिति तब और गंभीर हो गई जब उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने अपने 29 नवनिर्वाचित पार्षदों का पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) अचानक रद्द कर दिया। पार्टी मुख्यालय पहुंचे पार्षद उस समय हैरान रह गए जब उन्हें सूचना मिली कि उनका पंजीकरण फिलहाल के लिए टाल दिया गया है। राजनीतिक हलकों में इस कदम को भाजपा के साथ चल रही सत्ता की खींचतान और दबाव बनाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। सूत्रों का दावा है कि महायुति गठबंधन के भीतर विवाद की मुख्य वजह सत्ता का बंटवारा है। विशेष रूप से मुंबई के मेयर पद और बीएमसी की सबसे शक्तिशाली 'स्थायी समिति'जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भाजपा और शिंदे गुट के बीच आम सहमति नहीं बन पा रही है। 227 वार्डों वाली बीएमसी में जब तक शिंदे सेना का समर्थन नहीं मिलता, तब तक बहुमत का आंकड़ा जुटाना मुश्किल है। इसी 'किंगमेकर' वाली ताकत का इस्तेमाल करते हुए शिंदे गुट अपनी मांगें मनवाने की कोशिश कर रहा है।

ऐसे रिश्ते जल्दी फेल हो जाते हैं. लिव-इन रिलेशनशिप पर हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महाराजगंज से जुड़ी एक अपील पर सुनवाई करते हुए अपने फैसले में गंभीर टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि पश्चिमी विचारों और लिव-इन (साथ रहने) की अवधारणा के प्रभाव में शादी किए बिना साथ रहने वाले युवाओं की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। ऐसे रिश्ते फेल होने पर अक्सर स्नढ्ढक्रदर्ज कर दी जाती है और कानून महिलाओं के पक्ष में होने के कारण पुरुषों को उन धाराओं के तहत दोषी ठहराया जाता है, जो उस समय बनाए गए थे जब लिव-इन का कॉन्सेप्ट मौजूद नहीं था।

यूजीसी के नए नियमों पर बढ़ी रार

छात्रों में नफरत फैलाना बंद करे सरकार-प्रियंका

नई दिल्ली। उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव रोकने के लिए जारी ह्वद्दष्ट की नई गाइडलाइंस ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने इन नियमों को 'दुर्भाग्यपूर्ण' करार देते हुए भाजपा पर हमला बोला है। उनका तर्क है कि ये नियम समानता लाने के बजाय नफरत को बढ़ावा दे रहे हैं। यूजीसी के हालिया दिशा-निर्देशों पर असंतोष व्यक्त करते हुए सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि नियमों का वर्तमान स्वरूप विद्यार्थियों के बीच दूरियां पैदा करने वाला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कैंपस में जातिगत भेदभाव होता है, तो सख्त कार्रवाई अनिवार्य है और इस पर कोई दो राय नहीं हो सकती। लेकिन, नए नियम जिस तरह से पेश किए गए हैं, वे खुद में एक नया विवाद खड़ा कर रहे हैं।

अविमुक्तेश्वरानंद और महामंडलेश्वरों पर टिप्पणी पड़ी भारी

किन्नर अखाड़े से बाहर निकाली गई ममता कुलकर्णी-डॉ. लक्ष्मी

नई दिल्ली/ एजेंसी

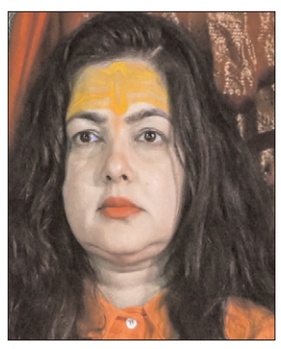

बॉलीवुड की पूर्व अभिनेत्री और अब संन्यास का जीवन बिता रहीं ममता कुलकर्णी एक बार फिर विवादों के केंद्र में हैं। हाल ही में महामंडलेश्वरों और शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ दिए गए तीखे बयानों के चलते उन्हें किन्नर अखाड़े से निष्कासित कर दिया गया है। अखाड़े की प्रमुख महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने इस कड़े फैसले की पुष्टि करते हुए स्पष्ट किया कि अब ममता कुलकर्णी का अखाड़े से कोई लेना-देना नहीं है। यह कार्रवाई ममता द्वारा सनातन धर्म के शीर्ष पदाधिकारियों को झूठा और शून्य ज्ञान वाला बताने के ठीक दो दिन बाद की गई है। अखाड़ा परिषद के पदाधिकारियों के साथ हुई एक आपात बैठक के बाद सर्वसम्मति से उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया गया। ममता कुलकर्णी ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान सनातन धर्म के प्रतिष्ठित पदों पर बैठे व्यक्तियों पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था, 10 में से 9 महामंडलेश्वर और तथाकथित शंकराचार्य झूठे हैं, उन्हें अध्यात्म का शून्य ज्ञान है। उन्होंने विशेष रूप से शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर प्रहार करते हुए कहा कि उनके भीतर अहंकार भरा हुआ है। उन्होंने अयोध्या चुनाव के संदर्भ में भी विवादित टिप्पणी की थी, जिससे अखाड़ा परिषद के भीतर गहरा आक्रोश पैदा हो गया। निष्कासन की घोषणा करते हुए डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने कहा, अखाड़े में महिला, पुरुष और किन्नर सभी शामिल हैं।

बर्फबारी थमी पर नहीं खुली राह, जम्मू-श्रीनगर हाईवे दूसरे दिन भी बंद, 3400 से ज्यादा गाड़ियां फंसीं

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में शनिवार को भले ही बारिश और बर्फबारी का दौर थम गया हो, लेकिन आम जनजीवन अभी भी पटरी पर नहीं लौट पाया है। प्रदेश की जीवनरेखा माना जाने वाला 270 किलोमीटर लंबा जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग लगातार दूसरे दिन भी यातायात के लिए पूरी तरह बंद रहा। हाईवे बंद होने से कश्मीर घाटी का सड़क संपर्क देश के बाकी हिस्सों से कटा हुआ है। आलम यह है कि हाईवे पर जगह-जगह वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं और हजारों लोग बीच रास्ते में फंस गए हैं।

जातिवाद करने वाले दंगाइयों के हमदर्द

आकाओं के इशारे पर लगाई जा रही है आग-सीएम योगी

नई दिल्ली/ एजेंसी

देशभर में यूजीसी के नए नियमों को लेकर सवर्ण समाज सड़कों पर है और भाजपा का जबरदस्त विरोध कर रहा है। इस तनावपूर्ण माहौल के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जातिवाद को लेकर एक बड़ा और अहम बयान दिया है। गोरखपुर में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विरोधियों पर तीखा हमला बोला और कहा कि विकास की राह में रोड़ा अटकाने वाले फिर सक्रिय हो गए हैं। सीएम योगी गोरखपुर में रेल उपरिगामी सेतु और 4 लेन फ्लाईओवर का लोकार्पण करने पहुंचे थे। वहां जनता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जब भी विकास की प्रक्रिया आगे बढ़ती है, परिवारवादी और जातिवादी ताकतें सिर उठाकर अव्यवस्था फैलाने की कोशिश करती हैं। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, मुख्यमंत्री का यह इशारा सीधे तौर पर समाजवादी पार्टी की तरफमाना जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में विरोधियों पर करारा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि इन उपद्रवियों के आका उन्हें पीछे से धकेलते हैं और कहते हैं कि पैसा लिया है तो कुछ तो उपद्रव करो। लेकिन इन लोगों को अच्छे से मालूम है कि यूपी सरकार उपद्रवियों के साथ कैसा सख्त व्यवहार करती है। योगी ने जोर देकर कहा कि अब उत्तर प्रदेश 'उपद्रव प्रदेश' नहीं रहा, बल्कि यह 'उत्सव प्रदेश' बन चुका है।

संक्षिप्त समाचार

गणतंत्र दिवस पर बिर्रा थाना प्रभारी जय कुमार साहू को मिला सम्मान

बिर्रा। गणतंत्र दिवस के अवसर पर थाना बिर्रा के थाना प्रभारी निरीक्षक श्री जय कुमार साहू को थाना क्षेत्र के अंतर्गत कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा उत्कृष्ट कार्य संपादन के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान माननीय प्रभारी मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी द्वारा जांजगीर के परेड मैदान में प्रदान कर बधाई एवं शुभकामनाएं दिया गया है। जिला स्तरीय समारोह में जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि गण तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। अधिकारियों ने श्री साहू के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था सुदृढ़ रही है। सम्मान प्राप्त होने पर निरीक्षक जय कुमार साहू ने इसे विभागीय टीम की सामूहिक मेहनत का परिणाम बताया और भविष्य में भी जनहित एवं कानून व्यवस्था के प्रति पूरी निष्ठा से कार्य करने की बात कही। थाना प्रभारी बिर्रा निरीक्षक जयकुमार साहू ने आगे बताया कि पुलिस विभाग में कोई भी कार्य एक व्यक्ति पूर्ण नहीं कर सकता है। उस कार्य को पूर्ण करने के लिए टीम का होना बहुत ही जरूरी है। इसके साथ ही टीम में टीम भावना का होना भी बहुत ज्यादा जरूरी है। इसके लिए उन्होंने थाना के टीम को इस प्रशस्ति पत्र और सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए बधाई दिया है। इस अवसर पर कलेक्टर जांजगीर चांपा जन्मेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पांडेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप आदि के अलावा जिला के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित थे।

जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने धूम धाम से मनाया 77 वा गणतंत्र दिवस

अहिवारा। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के कार्यकर्त्ताओ ने धूम धाम से 77 वा गणतंत्र दिवस मनाया 7 मुख्य रूप से बाबा साहेब आंबेडकर जी को स्मरण करते हुए ध्वजा रोहन का कार्य सफ्ल किया गया एवम छत्तीसगढ़ महतारी की आरती भी की गई 7 देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद के योगदान को याद करते हुए उनके तस्वीर पर पुष्प गुच्छ भेट किए गए 7कौशल साहू जी (जिला उपाध्यक्ष) ने बताया कि संविधान एक पुस्तक नही बल्कि इस देश की आत्मसम्मान एवम मजबूती है, बाबा साहेब ने हमे समानता का अधिकार दिलाया और सामाजिक भेद भाव खत्म किया 7 छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के सैनानी ने संविधान के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया 7इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से अशुतोष साहू जी, कामलेश जी, भीखम जी, कैलाश जी, मुकेश जी, आज़ाद सिंह, योगेश वर्मा, पंकज लहरे उपस्थित थे 7

रामदेव बाबा दरबार में माघ मेला के अंतिम दिन आज भंडारा

दुर्ग। श्री रामदेव बाबा दरबार नवकार परिसर पुलगांव नाका में आयोजित श्री रामदेव बाबा के माघ मेला में जम्मा जागरण व भजनों की धूम मची हुई है। दरबार में श्रद्धालुओं को परचों का लाभ भी मिल रहा है। जिसके चलते यहां श्रद्धा व आस्था का अद्भुत माहौल बना हुआ है। श्री रामदेव बाबा के परमभक्त सोहनलाल बापजी (चालीसगांव महाराष्ट्र) की शिष्या भक्तमाता शांतादेवी बापजी के दर्शन के लिए श्रद्धालू दरबार में उमड़ रहे है। फ्लस्वरुप दरबार में प्रतिदिन शाम से देर रात तक श्रद्धालुओं का मेला लग रहा है। 09 दिवसीय माघ मेला के आज अंतिम दिन 28 जनवरी को सुबह 10:30 बजे महाआरती व हवन पूजन किया जाएगा। तत्पश्चात महाप्रसादी (भंडारा) का वितरण किया जाएगा। उक्ताशय की जानकारी देते हुए श्री रामदेव बाबा दरबार नवकार परिसर आयोजन समिति के प्रमुख रमेश कुमार जैन और सुश्री पायल जैन ने संयुक्त रुप से बताया कि माघ मेला में श्रद्धालुओं के देश व प्रदेश से पहुंचने के मद्देनजर अंतिम दिन के आयोजन के लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। उन्होने माघ मेला के अंतिम दिन आयोजित सभी कार्यक्रम में शामिल होकर श्रद्धालुओं से पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने कनकबीरा हायर सेकेंडरी स्कूल का किया औचक निरीक्षण

कलेक्टर ने लिख-लिखकर कर नियमित अभ्यास कराने शिक्षकों को निर्देश दिए

युक्तियुक्तकरण से विद्यालय को मिला सभी विषयों के शिक्षक

सारंगढ़-बिलाईगढ़,(समय दर्शन) कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने कनकबीरा स्थित शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल का औचक निरीक्षण कर कक्षा संचालन, विद्यार्थियों की उपस्थिति, विषयवार अध्यापन तथा शैक्षणिक स्तर का गहन मूल्यांकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उनकी विषयगत समझ की जांच की और शिक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कक्षा 12वीं के कला संकाय में कुल 22 विद्यार्थियों में से केवल 8 विद्यार्थी उपस्थित पाए गए, जबकि 14 विद्यार्थी अनुपस्थित थे। कलेक्टर ने विद्यार्थियों से कला संकाय में उपलब्ध विषयों की जानकारी ली। विद्यालय में भूगोल विषय के शिक्षक के पदोन्नति के बाद रिक्त होने से अध्यापन प्रभावित होने की जानकारी सामने आई। कलेक्टर द्वारा भूगोल विषय से संबंधित मांग को प्रभावित करने वाले तत्व पर प्रश्न पूछकर कॉपी में लिखकर उत्तर से पढ़ाई की गुणवत्ता जांच की गई। इसके पश्चात कक्षा 12वीं के बायोलॉजी संकाय का निरीक्षण किया गया। कलेक्टर ने रसायन विषय को लेकर शिक्षक लहरे से चर्चा की। वहीं भौतिकी विषय में विद्यार्थियों से गौस के नियम पर प्रश्न पूछे गए, जिसका छात्रों ने सही उत्तर दिया। बायोलॉजी विषय को लेकर विषय शिक्षक से भी विस्तृत चर्चा की गई।निरीक्षण में बताया गया कि वर्तमान में युक्तियुक्तकरण से विद्यालय में सभी विषयों के शिक्षक उपलब्ध हैं, जबकि पूर्व में शिक्षकों की कमी रही है।

कलेक्टर ने कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों से भी प्रश्न पूछे। ड्राइंग विषय में प्राकृतिक वर्णवाद और विज्ञान विषय में अम्ल एवं क्षार के दो अंतर पूछे जिसमें छात्रा मुस्कान ने सही उत्तर दी जबकि अन्य विद्यार्थी उत्तर नहीं दे सके। कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने शिक्षकों को निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को लिख-लिखकर नियमित अभ्यास कराया जाए, ताकि उनकी विषयगत समझ मजबूत हो सके और शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार हो। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा उपस्थित रहीं।

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू के हाथों निगम कर्मी चंद्रपाल हरमुख सम्मानित

दुर्ग। पंडित रविशंकर स्टेडियम दुर्ग में जिला स्तर पर आयोजित गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में नगर पालिक निगम रिसाली में स्टेनो चन्द्रपाल हरमुख एवं डाटा एंट्री ऑपरेटर विकास यादव को उत्कृष्ट कार्यों के लिए जिला प्रशासन द्वारा प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू के हाथों प्रदान किया गया। इस दौरान दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाडा, संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के अलावा अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित स्टेनो चन्द्रपाल हरमुख ने कार्यालयीन कार्यों के अलावा विशेष गहन पूनरीक्षण 2025-26 में बेहतर कामकाज का संचालन, डेटा संकलन, ऑनलाईन अपलोडिंग एवं दावा आपत्ति सुनवाई में संलग्न कर्मचारियों से आवश्यक समन्वय स्थापित कर एसआईआर कार्य में प्रभावी योगदान दिया। फ्लस्वरूप उन्हे यह सम्मान प्रदान किया गया।

किसानों का टोकन काटने, धान खरीदी अवधि व लिमिट बढ़ाने की मांग को लेकर विधायक चातुरी नंद के नेतृत्व में एसडीएम कार्यालय का किया जाएगा घेराव

सरायपाली नृपनिधी पाण्डेय (समय दर्शन)- किसानों के धान का टोकन नहीं काटने, धान खरीदी केंद्रों में लिमिट बढ़ाने, धान खरीदी के समय सीमा बढ़ाने और धान बेचने में किसानों को हो रही दिक्कतों को लेकर विधायक चातुरी नंद के नेतृत्व में क्षेत्र के किसान और कांग्रेस कार्यकर्ता कल एसडीएम ऑफिस का घेराव कर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपेगे। विदित हो कि सरायपाली विधानसभा क्षेत्र में धान खरीदी की अवधि एवं खरीदी सीमा (लिमिट) बढ़ाने की मांग को लेकर किसानों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं में गहरा आक्रोश है। शासन द्वारा अब तक ठोस निर्णय नहीं लिए जाने के विरोध में आंदोलन को और तेज किया जा रहा है।

क्षेत्रीय विधायक चातुरी नंद के नेतृत्व में किसान, ग्रामीण एवं कांग्रेस कार्यकर्ता एसडीएम कार्यालय का घेराव कर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। ज्ञापन के माध्यम से शासन से तत्काल निर्णय लेने की मांग की जाएगी। विधायक चातुरी नंद ने कहा कि वर्तमान खरीदी व्यवस्था किसान विरोधी है। खेतों और खलिहानों में धान मौजूद है, लेकिन सीमित तारीख और लिमिट के कारण किसान मजबूर हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही धान खरीदी की अवधि और लिमिट नहीं बढ़ाई गई, तो आंदोलन को और व्यापक एवं उग्र किया जाएगा।

विधायक ने कहा कि धान खरीदी में क्विंटल की नहीं, किसान की मेहनत की गणना होनी चाहिए। समर्थन मूल्य पर पूरी उपज की खरीदी ही किसानों के साथ न्याय है। ज्ञापन के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री से यह मांग की जाएगी कि धान खरीदी की अवधि तत्काल बढ़ाई जाए, प्रति किसान खरीदी लिमिट में यथोचित वृद्धि की जाए, ताकि कोई भी किसान अपने हक़ से वंचित न रहे।

जा पर कृपा राम की होई ता पर कृपा करहिं सब कोई - आचार्य राजेन्द्र कृष्ण

(श्री राम कथा में अहिल्या उद्धार,फुलवारी वर्णन धनुष यज्ञ सीता स्वयंवर की कथा सुनाई गई)

बिर्रा -श्री बम-भोले राम लीला मंडली बिर्रा में आयोजित संगीतमय श्री राम कथा में कथावाचक आचार्य राजेन्द्र कृष्ण महराज जी ने अहिल्या उद्धार की कथा सुनाते हुए कहा कि जा पर कृपा राम की होई ता पर कृपा करहिं सब कोई अर्थात जिन पर कृपा प्रभु राम करें उन पर सभी की कृपा होती है। कथावाचक आचार्य श्री ने रामचरित मानस के विभिन्न दोहे और चौपाई को संगीत के माध्यम से बड़े ही सरल और सहज भाषा में समझाते हुए श्री राम कथा का रसपान करा रहे हैं। उन्होंने धनुष यज्ञ सीता स्वयंवर से पहले जनकपुर के फुलवारी का मनमोहक वर्णन किया जहां श्री राम और जानकी का पहला मिलन हुआ। धनुष यज्ञ में सभी राजाओं के द्वारा शिव धनुष को तोड़ने में असफ्ल रहे तो गुरू विश्वामित्र की आज्ञा पाकर श्री राम ने धनुष को उठाते ही टुटने पर पूरा पंडाल जय जय श्री राम के जयघोष से गूंज उठा। तत्पश्चात सीता ने श्री राम के गले में वरमाला डाला और सीता स्वयंवर की प्रक्रिया पूरी हुई।आज की कथा में आयोजन समिति ने रथ पर श्री राम विवाह की झांकी निकाली गई।आज की कथा में मणीलाल कश्यप, सुरेश कुमारमिडिया से ,जितेन्द्र तिवारी, से उपाध्यक्ष.जीवन साहू. संजू. विसु. रितेश. अध्यक्ष दुर्गा लोकपाल देवांगन,सौखीलाल पटेल, नरेंद्र यादव, पंचराम कश्यप, लखनलाल देवांगन, मनहरण सोनवानी, श्रवण कुमार कश्यप, लक्ष्मी प्रसाद देवांगन, मुरारीलाल थवाईत,पप्पू(भांचा)देवांगन, सम्मेलाल यादव, नारद कश्यप,नीरज कश्यप, मुकेश कुमार, गोवर्धन देवांगन, कन्हैया देवांगन, लक्ष्यनाथ देवांगन, छोटेलाल केंवट, रामकुमार देवांगन सहित डभरा खुर्द, देवरानी, देवरहा सिलादेही बसंतपुर और आसपास के श्रद्धालु शामिल हुए।

कोकड़ीऔर पेंड्रीतराई स्कूल में हर्षोल्लास के साथ उल्लास मेला और गणतंत्र दिवस का आयोजन

अहिवारा। शासकीय प्राथमिक शाला कोकड़ी,प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शाला पेंड्रीतराई ,विकासखंड धमधा,जिला दुर्ग में इस बार 26 जनवरी 2026 को शासन के निर्देशानुसार उल्लास मेला का आयोजन किया गया। गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रभात फेरी जोर शोर से नारा,प्रभात फेरी गीत के छात्रों,शिक्षको के द्वारा गांव का भ्रमण किया गया। मुख्य अतिथि के द्वारा ध्वजारोहण ग्राम पंचायत,सरोवर और शाला में किया गया ।अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया गया, उसके बाद मुख्य अतिथि सरपंच ग्राम पंचायत पेंड्रीतराई श्री मती दीपा महिलांग,विशिष्ट अतिथि उपसरपंच श्री विजय बघेल के द्वारा उल्लास शपथ दिलाया गया जिसमे नवसाक्षर,शिक्षक,ग्रामीण जनों, शिक्षकों, छात्रों ने पूरी निष्ठा के साथ शपथ लिए।उल्लास मेला का भ्रमण सरपंच दीपा महिलांग,उपसरपंच विजय बघेल, प्रधान पाठक दीप्ति किरण तिर्की, प्रधान पाठक थानसिंह चुरेंद्र द्वारा नव साक्षरों को कराया गया।सीखने सिखाने की गतिविधियों का स्वयं से सीखने का आनंद माताएं बहनों, बड़े बुजुर्ग ग्राम के नवसाक्षर ने लिया।इस मेले में विभिन्न प्रकार के मनोरंजक 10 प्रकार के स्टॉल लगाए गए। स्टॉल प्रभारी का नेतृत्व नवसाक्षर किए ।खेल खेल के माध्यम से सीखने सिखाने की गतिविधि किए ।बुनियादी साक्षरता एवम् संख्या ज्ञान की गतिविधियों का स्टॉल लगाए जायेंगे,साथ ही जीवन कौशल ज्ञान विकास संबंधी स्टॉल भी लगाया जाएगा पूरे उत्साह के साथ इस बार गणतंत्र दिवस पर उल्लास मेला का आयोजन हुआ। सभी ग्रामीण जनों को सहभागिता देकर सफ्लतापूर्वक आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।इस मेले में आनंद एवम् स्वयं से सीखते हुए,जन जन को साक्षर बनाने का संकल्प लेकर कार्य किया गया।

बसना में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77वा गणतंत्र दिवस:विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने फहराया तिरंगा,परेड की ली सलामी

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने ली परेड की सलामी,शहीदों के परिजनों एवं प्रतिभाओं का किया सम्मान

राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा बसनाः विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने फहराया तिरंगा, बोले- 'विकसित बसना' बनाना ही एकमात्र लक्ष्य

बसना (समय दर्शन)। राष्ट्र के 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर समूचा बसना विधानसभा क्षेत्र देशभक्ति के रंग में सराबोर नजर आया। स्थानीय दशहरा मैदान में आयोजित मुख्य समारोह में जन-जन के प्रिय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने गरिमामयी उपस्थिति के बीच राष्ट्रीय ध्वज फहराया और कदम से कदम मिलाते मार्च पास्ट कर रही परेड की सलामी ली। आसमान में शांति और खुशहाली के प्रतीक श्वेत-केसरिया-हरे गुब्बारे छोड़कर विधायक डॉ. अग्रवाल ने इस राष्ट्रीय पर्व का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान पूरा वातावरण भारत माता की जयऔर वंदे मातरम के गगनभेदी उद्घोष से गुंजायमान हो उठा।

मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन और लोकतंत्र की हुंकार- समारोह के दौरान विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा जनता के नाम प्रेषित संदेश का ओजपूर्ण वाचन किया। उन्होंने सशक्त शब्दों में कहा कि लोकतंत्र की असली शक्ति आम नागरिक की सहभागिता में निहित है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि प्रदेश की 'डबल इंजन' सरकार 'अंत्योदय' के मंत्र के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने हेतु पूरी निष्ठा से कार्य कर रही है।

विकास का प्रतिवेदन: 'आदर्श बसना' का संकल्प- अपने संबोधन में विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने एक विजनरी नेतृत्व की झलक पेश करते हुए क्षेत्र के विकास का खाका खींचा। उन्होंने बताया कि अब तक लगभग 225 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं को प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है, जबकि 300 करोड़ रुपये के नए कार्य बजट में प्रस्तावित हैं। विधायक ने स्पष्ट किया कि शेष कच्ची सड़कों का डामरीकरण, हर घर को शुद्ध पेयजल, निर्बाध बिजली आपूर्ति और खेल प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

प्रतिभाओं का सम्मान: सेवा और समर्पण को मिली पहचान- समारोह का एक मुख्य आकर्षण सम्मान समारोह रहा, जहाँ विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने शहीदों के परिजनों, विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों,सांस्कृतिक कार्यक्रम के विजेता,झांकी प्रतियोगिता के विजेता,मार्च पास्ट में अनुशासन का प्रदर्शन के विजेताओं , मेधावी छात्रों और समाजसेवियों को 'प्रशस्ति पत्र' प्रदान कर सम्मानित किया।विधायक ने उन्हें प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आपकी मेहनत और कर्तव्यनिष्ठा ही एक सशक्त समाज की नींव है। सम्मानित होने वाले चेहरों पर गर्व और उत्साह देखते ही बनता था।

सांस्कृतिक छटा और जनभागीदारी- समारोह में स्कूली छात्र-छात्राओं ने अपनी कलात्मक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। देशभक्ति गीतों, नृत्यों और सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार करते नाटकों ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। विभिन्न विभागों द्वारा निकाली गई आकर्षक झांकियों ने छत्तीसगढ़ी संस्कृति, राष्ट्रीय एकता और सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का जीवंत चित्रण किया।

गणमान्य जनों की गरिमामयी उपस्थिति- इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि ओमप्रकाश चौधरी,नगर पंचायत अध्यक्ष खुशबू अग्रवाल नगर पंचायत उपाध्यक्ष शीत गुप्ता,बसना जनपद पंचायत अध्यक्ष डिलेश्वरी मिलाप,बसना जनपद पंचायत उपाध्यक्ष मोहित पटेल,वरिष्ठ भाजपा नेता सतीश अग्रवाल,वरिष्ठ भाजपा नेता एन के अग्रवाल,जिला महामंत्री भाजपा नेता जितेंद्र त्रिपाठी,पूर्व जिला उपाध्यक्ष भाजपा रमेश अग्रवाल,भाजपा नेता रामचंद्र अग्रवाल,पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल अग्रवाल,मंडल अध्यक्ष भाजपा नरेंद्र यादव,पूर्व नगर पंचायत उपाध्यक्ष सुमित अग्रवाल,सांसद प्रतिनिधि टिकेलाल साव,पूर्व सांसद प्रतिनिधि कामेश बंजारे,सभापति मुजम्मिल कादिर,सभापति डेनियल पीटर,सभापति वीणा निर्मल दास,सभापति नेहा प्रवीण धृतलहरे,पार्षद मनोज गहेरवाल,पार्षद शिव नायक, पार्षद आशीष साहू, पार्षद खालिद दानी, पार्षद संगीता नायक, पार्षद महेंद्र सिंह अरोरा, पार्षद विनीता पवन अग्रवाल, पार्षद राकेश डड़सेना, इरफान गिनानी इल्लू, अमरीन गिनानी इल्लू, विधायक प्रतिनिधि निर्मल दास सहित गणमान्यजन उपस्थित हुए।

ऑडियो बुक्स निर्माण में योगदान देने वाले राज्य के विभिन्न जिलों के शिक्षकों को भी सम्मानित किया

राज्यपाल श्री डेका ने ब्रेल पुस्तक और ऑडियो बुक्स का किया विमोचन

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज यहां लोकभवन में छत्तीसगढ़ के वीर तथा दिव्यांग महिलाओं की सफ्लता की कहानियों पर आधारित दो ब्रेल पुस्तक और तीन हजार से अधिक कंटेंट को संकलित कर बनाए गए ऑडियो बुक्स का विमोचन किया। उन्होंने ऑडियो बुक्स निर्माण में योगदान देने वाले राज्य के विभिन्न जिलों के शिक्षकों को भी सम्मानित किया।

इस अवसर श्री डेका ने कहा कि इन पुस्तकों का ब्रेल वर्जन बनाने का कार्य सराहनीय है। इसके लिए उन्होंने सभी को बधाई दी। श्री डेका ने कहा कि हमारे समाज में ऐसे अनेक गुमनाम हस्तियां है जिन्होंने समाज के लिए अनुकरणीय काम किए है, उनको प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा दिव्यांगता एवं मानसिक स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। समाज में सभी के लिए अलग-अलग चुनौतियां हैं। दिव्यांगजन समाज के एक भाग है और देश व समाज के विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन के लिए सार्वजनिक स्थलों, अस्पतालों में सुविधा, रैम्प निर्माण होना चाहिए।

श्री डेका ने ऑडियो बुक्स की सराहना करते हुए इसका व्यापक प्रचार प्रसार करने कहा ताकि प्रदेश के बाहर के दिव्यांगजन भी इसका लाभ ले सकें।

इस अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कृत सुश्री के. शारदा, श्रीमती प्रीति शांडिल्य और अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

नियद नेल्लानार गांवों के 14 ग्रामीणों के जीवन में आई रोशनी

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन और अंत्योदय के संकल्प को साकार करते हुए सुकमा जिले के दूरस्थ नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार निरंतर जारी है। इसी कड़ी में जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के मार्गदर्शन में जिले के 14 मोतियाबिंद मरीजों का सफ्ल उपचार कराकर उनके जीवन में नई रोशनी लाई गई है।

अंदरूनी गांवों से मेडिकल कॉलेज तक का सफ्र

शासन की महत्वाकांक्षी नियद नेल्लानार (आपका अच्छा गांव) योजना के तहत विशेष स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से कोंटा विकासखंड में स्थित दूरस्थ गांव मुकर्रम, पटेलपारा, सरपंचपारा और किस्टाराम जैसे पहुंचविहीन क्षेत्रों के मरीजों की पहचान की गई थी। इन चिन्हित 14 मरीजों को जिला प्रशासन द्वारा विशेष वाहन की व्यवस्था कर बेहतर उपचार हेतु जगदलपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहाँ उनका सफ्ल ऑपरेशन संपन्न हुआ।

ऑपरेशन के पश्चात सभी मरीजों को आई असिस्टेंट की देखरेख में जगरगुंडा और किस्टाराम से सुरक्षित जिला अस्पताल सुकमा लाया गया है। डॉक्टरों के अनुसार, मरीजों की रिकवरी और बेहतर फॉलो-अप के लिए उन्हें अगले 4 दिनों तक जिला अस्पताल में विशेषज्ञों की निगरानी में रखा जाएगा। इस दौरान मरीजों के ठहरने और भोजन की निरूशुल्क व्यवस्था जिला प्रशासन के द्वारा की गई है। स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन का यह प्रयास दर्शाता है कि नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से अब शासन की योजनाएं केवल कागजों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सुदूर वनांचलों के अंतिम व्यक्ति तक सीधे पहुँच रही हैं। स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने वाले मरीजों ने इस संवेदनशील पहल के लिए मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

डिजिटल तकनीक से धान विक्रय हुआ आसान, किसान ज्योति प्रकाश ने घर बैठे काटा टोकन

रायपुर। सरगुजा जिले में धान उपार्जन की व्यवस्थित प्रणाली से किसान न केवल सशक्त हो रहे हैं, बल्कि खेती-किसानी के प्रति उनका उत्साह भी बढ़ा है। धान उपार्जन केंद्रों पर की गई पारदर्शी व्यवस्था ने धान विक्रय की प्रक्रिया को सरल और सुविधाजनक बना दिया है। इसी कड़ी में ग्राम केराकछार के किसान श्री ज्योति प्रकाश ने शासन की व्यवस्थाओं की सराहना की।

डिजिटल तकनीक से मिली राहत: घर बैठे काटा टोकन- किसान श्री ज्योति प्रकाश ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनके पिता श्री गोसई के नाम पर 32 क्विंटल धान का रकबा दर्ज है। उन्होंने बताया कि पहले समिति जाकर टोकन कटाने में काफी लंबा इंतजार करना पड़ता था, लेकिन शासन के 'किसान तुहंर टोकन' मोबाइल ऐप ने इस समस्या का समाधान कर दिया है। ज्योति प्रकाश ने बताया कि उन्होंने घर बैठे ही मोबाइल के जरिए 32 क्विंटल धान विक्रय के लिए ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर लिया, जिसमें उन्हें

किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हुई।

उपार्जन केंद्र में मिलीं बेहतर सुविधाएं

धान विक्रय के लिए मेंड्रा कला उपार्जन केंद्र पहुंचे ज्योति प्रकाश ने बताया कि केंद्र में प्रवेश करते ही गेट पास, नमी परीक्षण और बारदाना उपलब्ध कराने की प्रक्रिया त्वरित रूप से पूरी की गई। उन्होंने समिति के कर्मचारियों के सहयोग और उपार्जन केन्द्रों में किसानों के लिए उपलब्ध पेयजल व अन्य सुविधाओं की भी प्रशंसा की।

सर्वाधिक दाम से किसानों का बढ़ा मुनाफ

किसान श्री बिहारी लाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार में 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी और प्रति एकड़ 21 क्विंटल की सीमा निर्धारित किए जाने से किसान उत्साहित हैं। श्री ज्योति प्रकाश ने बताया कि धान का सर्वाधिक दाम मिलने से किसानों को आर्थिक लाभ हो रहा है। उन्होंने बताया कि धान विक्रय से प्राप्त राशि का उपयोग वे गेहूं, तिलहन और सब्जी की खेती के विस्तार में कर रहे हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है और आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं।

छत्तीसगढ़ शासन का जताया आभार

प्रदेश के किसानों को सशक्त बनाने वाली शासन की नीतियों के लिए ज्योति प्रकाश ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज किसान खुशहाल हैं और अपनी उपज का सही मूल्य पाकर आर्थिक रूप से समृद्ध हो रहे हैं।

मनरेगा की 'आजीविका डबरी' से संवर रही छोटे किसानों की तकदीर

रायपुर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत निर्मित की जा रही 'आजीविका डबरी' प्रदेश के छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए आय संवर्धन का प्रभावी साधन बनकर उभर रही है। जल संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ-साथ यह पहल ग्रामीण अंचलों में स्थायी आजीविका के नए अवसर सृजित कर रही है।

सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत मेंड्राखुर्द निवासी छोटे किसान श्री बिहारी लाल के खेत में मनरेगा अंतर्गत आजीविका डबरी का निर्माण कार्य प्रगति पर है। लगभग 1 लाख 99 हजार रुपये की लागत से निर्मित की जा रही इस डबरी का 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। डबरी में वर्षा जल संग्रहित होने से फसलों की सिंचाई के लिए निर्भरता बढ़ेगी और कृषि कार्य अधिक सुचारू हो सकेगा।

बिहारी लाल ने बताया कि डबरी के माध्यम से वे सब्जियों की उन्नत खेती के साथ-साथ मत्स्य पालन भी प्रारंभ करेंगे, जिससे

उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने इस सुविधा के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय तथा जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना उनके जैसे छोटे किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। जिले में जल प्रबंधन को सुदृढ़ करने और ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा लगभग 403 आजीविका डबरियों का निर्माण कराया जा रहा है। इन डबरियों के माध्यम से वर्षा जल संरक्षण को प्रोत्साहन मिलेगा, भू-जल स्तर के संरक्षण में सहायता होगी तथा सिंचाई, मत्स्य पालन और अन्य बहुउपयोगी गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन कर ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय कुमार अग्रवाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की प्राथमिकता है कि विकास की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने बस्तर विकासखंड को दी 5.84 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

बुनियादी सुविधाओं का विस्तार और संस्कृति का संरक्षण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मंत्री श्री कश्यप

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज कहा कि बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ प्राचीन सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, जीर्णोद्धार और संवर्धन को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मंत्री श्री कश्यप ने आज नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बस्तर विकासखंड में 5 करोड़ 84 लाख 76 हजार रूपए के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। उन्होंने फरसागुड़ा, सोरगांव, चेराकुर और छोटेअलनार में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल हुई और ग्रामीणों को विकास योजनाओं की सौगात दी। कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

श्री कश्यप ने कहा कि चेराकुर क्लस्टर के लिए सबसे अधिक 4 करोड़ 85 लाख 98 हजार रुपए के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें 4 करोड़ 64 लाख 98 हजार रुपए की लागत से बनने वाली चेराकुर से कोलेबेडा सड़क निर्माण प्रमुख

है। यह सड़क क्षेत्र की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी और ग्रामीणों के आवागमन को सुगम बनाएगी। साथ ही जल निकासी एवं यातायात सुधार के लिए विभिन्न स्थानों पर पुलिया निर्माण कार्यों का भी भूमिपूजन किया गया। सोरगांव और छोटेअलनार में भी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की शुरुआत की गई। सोरगांव क्लस्टर में 30 लाख 38 हजार रुपए की लागत से केशरपाल में सांस्कृतिक भवन, नयागुड़ापारा में सांस्कृतिक मंच, कुच्चीगुड़ा में सामुदायिक भवन और बनियागांव में हाई मास्क लाइट लगाने के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इसी प्रकार छोटेअलनार में 50 लाख 50 हजार रुपए की लागत से धवड़ागुड़ा, मांझीपारा और टेमरुगुड़ा में सामुदायिक भवनों का निर्माण प्रारंभ किया गया। ग्राम पंचायत छोटेअलनार की पेयजल समस्या को दूर करने हेतु पानी टैंकर का वितरण भी किया गया। देवड़ा और तारागांव में पुलिया निर्माण का भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत फरसागुड़ा से हुई, जहाँ 17 लाख 90 हजार रुपए की लागत से आंगनबाड़ी केंद्र में अहाता निर्माण, शिवगुड़ी तालाब के पास मंडली भवन और भानपुरी में माता मंदिर के पास पुलिया निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया गया। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि सुदूर वनांचल क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार और संस्कृति का संरक्षण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने चेराकुर-कोलेबेडा सड़क को क्षेत्र की प्रगति का आधार बताते हुए कहा कि 4.80 किलोमीटर लंबी यह सड़क ग्रामीणों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में सहायक होगी। उन्होंने बताया कि चेराकुर में जल निकासी सुधार हेतु पुलिया निर्माण भी कराया जा रहा है। वनमंत्री श्री कश्यप ने कहा कि आदिवासी संस्कृति और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने हेतु सांस्कृतिक भवन एवं सामुदायिक भवन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सोरगांव और छोटेअलनार में इन भवनों के निर्माण से सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम के अंत में मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि स्वीकृत सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराए जाएंगे ताकि ग्रामीणों को शीघ्र लाभ मिल सके। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री संतोष बघेल, जिला पंचायत सदस्य श्री निर्देश दीवान सहित जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

स्वास्थ्य विभाग की नवाचारी पहल से बुजुर्गों तक पहुँचा आयुष्मान कवच

रायपुर। एमसीबी जिले के अंतिम छोर तक स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने के संकल्प को साकार करते हुए भरतपुर विकासखंड में स्वास्थ्य विभाग ने सेवा, समर्पण और संवेदनशील प्रशासन की प्रेरक मिसाल प्रस्तुत की है। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों, पहाड़ी इलाकों और कमजोर मोबाइल नेटवर्क जैसी चुनौतियों के बावजूद स्वास्थ्य विभाग की टीम बुजुर्गों के आयुष्मान वय वंदन कार्ड बनाने के लिए लगातार फील्ड में सक्रिय बनी हुई है।

अंदरूनी ग्रामों में नेटवर्क की गंभीर समस्या को देखते हुए विभाग द्वारा अभिनव व्यवस्था अपनाई गई है। जहाँ भी बेहतर मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध हो रहा है, वहाँ वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानपूर्वक पहुँचाया जा रहा है और मौके पर ही उनका वय वंदन कार्ड तैयार किया जा रहा है। इस मानवीय और व्यावहारिक पहल से अब तक अनेक बुजुर्गों को योजना का सीधा लाभ मिल चुका है, जो पहले तकनीकी बाधाओं के कारण वंचित रह जाते थे।

स्वास्थ्य कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ न केवल कार्ड निर्माण का कार्य कर रहे हैं, बल्कि वरिष्ठ नागरिकों को योजना के लाभों की जानकारी देकर उन्हें जागरूक भी कर रहे हैं।आयुष्मान वय वंदन कार्ड 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए संचालित एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसके अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को पाँच लाख रुपये तक का नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराया जाता है।

इस योजना में पारिवारिक आय की कोई बाध्यता नहीं है, जिससे हर पात्र बुजुर्ग को स्वास्थ्य सुरक्षा का भरोसा मिल रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने कहा कि विभाग का लक्ष्य है कि जिले का कोई भी पात्र वरिष्ठ नागरिक इस योजना से वंचित न रहे। नेटवर्क की समस्या निश्चित रूप से चुनौतीपूर्ण है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरी प्रतिबद्धता के साथ फील्ड में कार्य करते हुए हर बुजुर्ग तक पहुँच रही है।

खड़े ट्रक से डीजल पार

रायपुर। अटारी रोड अमन कॉम्पलेक्स के पास खड़े ट्रक से अज्ञात चोरों ने 390 लीटर डीजल पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी जितेन्द्र पाल सिंह 30 वर्ष हीरापुर कबीरनगर का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि वह अपनी ट्रक को अटारी रोड अमन कॉम्पलेक्स के पास खड़ी किया था, तभी कार सवार अज्ञात चोरों ने ट्रक के डीजल टैंक का लॉक तोड़कर 390 लीटर डीजल पार कर दिया। चोरी गए डीजल की कीमत करीब 36414 रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में आमानाका पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सूने मकान से बाइक समेत हजारों रुपए का सामान पार

रायपुर। अक्षय विहार कालोनी बोरियाखुर्द स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने बाइक सहित घरेलू सामान पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी तुसार चंद्रवंशी 24 वर्ष अक्षय विहार कालोनी बोरियाखुर्द का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर घर में रखे बाइक और घरेलू सामान पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 25 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

छत्तीसगढ़ बीजेपी ने केंद्रीय बजट पर समीक्षा के लिए 6 सदस्यीय समिति का गठन

रायपुर। आगामी 1 फरवरी, 2026 को संसद में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण देश का बजट पेश करेंगी। इस अवसर को देखते हुए छत्तीसगढ़ बीजेपी ने प्रदेश स्तर पर केंद्रीय बजट की समीक्षा और रणनीति के लिए एक समिति का गठन किया है। छत्तीसगढ़ बीजेपी की इस समिति में कुल 6 सदस्य शामिल हैं, जिनका नेतृत्व पूर्व वित्त मंत्री और वरिष्ठ बीजेपी विधायक अमर अग्रवाल करेंगे। समिति के अन्य सदस्यों में कैबिनेट मंत्री ओपी चौधरी, सौरभ सिंह, नंदन जैन, अखिलेश सोनी, और अमित चिमनानी शामिल हैं। समिति का मुख्य उद्देश्य बजट के विभिन्न प्रावधानों का अध्ययन करना और प्रदेश में इसके प्रभावों का विश्लेषण कर पार्टी के समन्वित रुख को तैयार करना होगा।

लोकभवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ली राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ

रायपुर। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर लोकभवन सचिवालय में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, उप सचिव सुश्री निधि साहू, संवैधानिक प्रकोष्ठ के उप सचिव डॉ. रूपेन्द्र कवि सहित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मताधिकार की शपथ ली।। सभी ने शपथ ली कि ''हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।''

एसआईआर प्रक्रिया में फॉर्म-7 के दुरुपयोग का आरोप, नेता प्रतिपक्ष ने निर्वाचन आयोग से हस्तक्षेप की मांग की

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र लिखकर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के अंतर्गत फॉर्म-7 के उपयोग को लेकर गंभीर आशंका जताई है।

संपादकीय

रोने से कुछ हासिल नहीं होगा

पश्चिमी अर्थशास्त्रियों ने कहा है कि चीन ने गैर-बाजार नीतियों पर चलते हुए फ्री मार्केट अर्थव्यवस्थाओं को अपने सस्ते उत्पादों से पाट दिया है। इस कारण वहां के उद्योग-धंधों के लिए प्रतिकूल परिस्थितियां बनी हैं। मगर हल क्या है? साल 2025 में चीन से व्यापार में भारत का घाटा रिकॉर्ड 116.12 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। चीन सरकार के आंकड़ों के मुताबिक बीते साल भारत का निर्यात 5.5 प्रतिशत बढ़ते हुए 19.75 बिलियन डॉलर पहुंच गया, लेकिन चीन से आयात 12.8 फीसदी बढ़ कर 135.87 बिलियन डॉलर तक जा पहुंचा। 2024 में चीन से भारत का व्यापार घाटा 99 बिलियन डॉलर था। इन आंकड़ों ने देश में फिर बेचैनी पैदा की है। मगर ऐसा नहीं लगता कि इसकी बुनियादी वजहों पर कोई ऐसी ठोस चर्चा होगी, जिससे समाधान की तरफ बढ़ने में मदद मिले। ऐसी चर्चा के लिए चीन की निर्यात क्षमता के गंभीर आकलन की जरूरत होगी। 2025 में चीन ने 1.2 ट्रिलियन डॉलर का व्यापार लाभ कमाया, जो ऐतिहासिक रिकॉर्ड है। ऐसा अमेरिका के लिए निर्यात में 20 प्रतिशत गिरावट के बावजूद हुआ। उसने यूरोप, अफ्रीका, आसियान समूह और भारत जैसे देशों में बड़ी मात्रा में निर्यात बढ़ाने में कामयाबी पा ली। इस तरह उसने अपनी अर्थव्यवस्था को अमेरिका के व्यापार युद्ध से अप्रभावित बनाए रखा है। पश्चिमी अर्थशास्त्रियों ने इसका कारण उसकी अत्यधिक उत्पादन क्षमता एवं देश के अंदर कम उपभोग को बताया है। कहा है कि चीन ने गैर-बाजार नीतियों पर चलते हुए फ्री मार्केट अर्थव्यवस्थाओं को अपने सस्ते उत्पादों से पाट दिया है। इस कारण वहां के उद्योग-धंधों के लिए प्रतिकूल परिस्थितियां बनी हैं। मगर हल क्या है? पश्चिमी देश अपने यहां मजदूरी महंगी होने को समाधान के रास्ते में बाधा बताते हैं। मगर भारत जैसे देश पर तो यह बात लागू नहीं होती। भारत में औसत मजदूरी चीन से छह गुना सस्ती है। यह भारत के लिए लाभ का पहलू है। फिर भी भारत को इसका फायदा नहीं मिल रहा है, तो कारण इन्फ्रास्ट्रक्चर का महंगा एवं अपर्याप्त होना, अनुसंधान पर न्यून खर्च, और कुशल कर्मियों का अभाव है। साथ ही उद्योग घरानों की कायम हुई मोनोपॉली या कार्टेल बनाने की उनकी प्रवृत्तियों ने बाजार में प्रतिस्पर्धा कुंद कर रखी है। इन मसलों का हल भारतीय नीति-निर्धारकों को ही ढूंढना होगा। चीन से आयात-निर्यात के आंकड़ों पर साल-दर- साल रोने से कुछ हासिल नहीं होगा।

25 वर्षों के भारत चिट्ठे की असलियत

हरिशंकर व्यास

इक्कीसवीं सदी के पहले पच्चीस वर्ष। ये ढाई दशक मानवता की अमूल्य, अविस्मरणीय अवधि के थे। इसमें मनुष्य के हाथों मनुष्य-समतुल्य कृत्रिम बुद्धि (एआई) बनी तो अंतरिक्ष-ब्रह्माण्ड को भेदने का इंफ्रास्ट्रक्चर भी बना। तब पृथ्वी के सर्वाधिक आबादी वाले भारत में क्या बना? भीड़ और उसकी आवाजाही या कनेक्टिविटी का इंफ्रास्ट्रक्चर। फिर उसी से फैला बाज़ार! ध्यान रहे बीसवीं सदी के आख़िरी दशक में पीवी नरसिंह राव नाम का प्रधानमंत्री भारत को प्राप्त हुआ था। वह बुद्धि और दृष्टि लिए हुए था। सो, उन्होंने नौकरशाहों के समाजवाद (पूंजी, कोटा-परमिट) से भारत को मुक्त कराया। मंत्रालयों में पूंजी, उद्यम, पुरुषार्थ के चक्कर खत्म (घटाए) कराए। उन दिनों चीन में देंग शियाओ पिंग ने जहां देशी-विदेशी पूंजी, शिक्षा-ट्रेनिंग, मेहनत से देश को गढ़ने में इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण को धार दी थी तो नरसिंह राव-मनमोहन सिंह ने भी भारत में अवसर खोले थे। राव सरकार ने बतौर मानव संसाधन लोगों को समर्थ बनाने के फ़ैसले लिए। हालांकि उनसे पहले वीपी सिंह ने मंडल-मस्जिद में समाज को भीड़ बनाने के विषाणु फैला दिए थे। तभी लालू यादव, मुलायम सिंह, लालकृष्ण आडवाणी की आरक्षण, धर्म की आग फैली थी। उसी का असर था जो इक्कीसवीं सदी की मिलेनियम पीढ़ी की दिशा बिगड़ी। नौजवान या तो आईटी क्षेत्र के बैक-ऑफ़िस, कुलीगिरी की तरफ दौड़े या आरक्षण की भूख में अंधे होकर सरकारी नौकरी की माया में भटके। मेरा मानना है समाज के भटकने के संग अर्धसाक्षरता की शिक्षा का अटल बिहारी वाजपेयी-डॉ. मुरली मनोहर जोशी का सर्व शिक्षा अभियान वह दूसरा मोड़ था, जिससे पहली कक्षा से बारहवीं तक की शिक्षा से मिलेनियम पीढ़ी की बरबादी बनी। सरकारी स्कूलों का भट्ठा बैठा। प्राइवेट शिक्षा से शिक्षा-असमानता बनी। शिक्षा का कुल नतीजा बुद्धिविहीन आईटी कुलियों, सरकारी नौकरियों की भूख, कुशलता-कौशल के नाम पर बेगार करती नौजवानों की भीड़ थी। न खेती व परंपरागत कौशल में प्रवीण और न पहले जैसे काबिल इंजीनियर-डॉक्टरों का शिक्षण। सो, जेनरेशन दुकान, गुमटी, धंधों में खपी। इसी के ट्रेंड को बूझ कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुंह से निकला था कि दफ़्तर के बाहर पकौड़ा बेचना भी रोज़गार है। मतलब नरसिंह राव-मनमोहन सिंह बनाम नरेंद्र मोदी का बेसिक फ़र्क़ यह भी है जो राव-वाजपेयी-मनमोहन सिंह ने भूमंडलीकरण, वैश्विक ट्रेंड में उत्पादकता, औद्योगिक उत्पादकता, आईटी-सेवा क्षेत्र के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट बनवा इक्कीसवीं सदी के सिनेरियो में दिमाग खपाया। वही नरेंद्र मोदी ने चाय-पकौड़े की गुमटी यानी व्यापार, धंधा, मुनाफ़े में भारत का भविष्य बूझा है। यह उनका दोष नहीं है। गुजरात की तासीर में विकास मतलब व्यापार, धंधा, दुकान, वाणिज्य से मुनाफ़े की सर्वोच्चता से ही सब है। इसी कारण अंबानी-अडानी प्रतिमान हैं। बाक़ी सब जाएं भाड़ में और धंधा, मुनाफ़ा ही परम पुरुषार्थ। सोचें, पिछले तीन वर्षों में अंबानी-रिलायंस ने यूक्रेन संकट में रूस से सस्ता-कच्चा तेल ख़रीद उसे देश-दुनिया को कितना महंगा बेचा? अरबों-खरबों रुपए का मुनाफ़ा कमाया होगा। अब यदि इस धंधे से भारत ट्रंप के टैरिफ़ का मारा है तो अंबानी-रिलायंस का तो कुछ नहीं बिगड़ना है। मगर देश, मोदी सरकार के लिए तो अंबानी सफलता की कहानी है! विषयांतर हो रहा है। मूल बात पर लौटें। भारत ने 1990 से 2000 के बीच अपने इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण की भूमिका बनाई। राव-मनमोहन सिंह ने हाईवे, एयरपोर्ट, बंदरगाह, संचार व बिजली क्षेत्र को नौकरशाही जकड़न से मुक्त किया। निज पूंजी, उद्यम को स्वतंत्रता दी। इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण शुरू हुआ तो उससे इक्कीसवीं सदी के 25 वर्षों की सतत कोशिश से भारत को क्या प्राप्त है? कह सकते हैं कनेक्टिविटी और बिजली का उजाला है।

'एक भारत, एक कानून' की नीतिगत कसौटी के सियासी निहितार्थ

कमलेश पांडेय

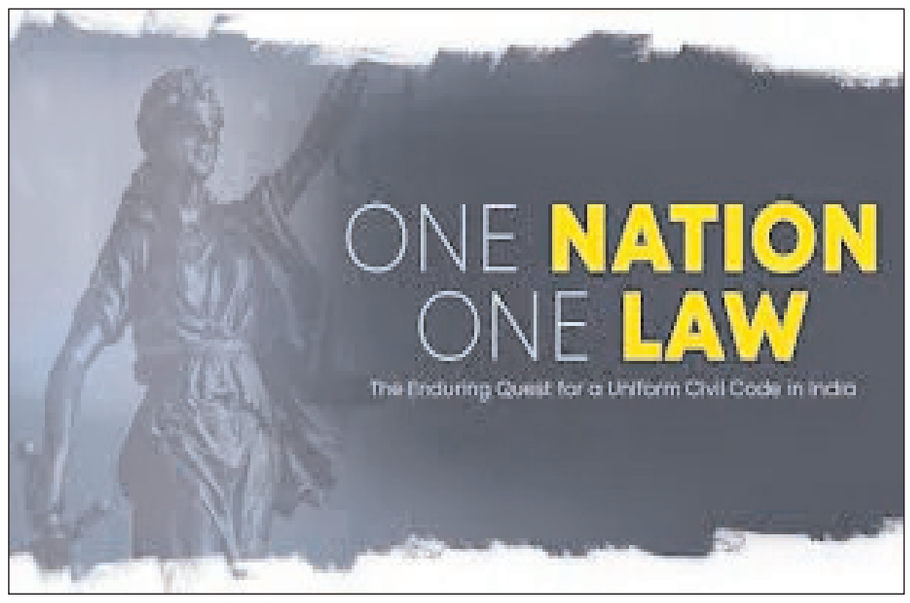

विभिन्न तरह के पारस्परिक विरोधाभासों से जूझ रहे भारतीय गणतंत्र के लिए 'एक भारत, एक कानून' की अवधारणा बदलते वक्त की मांग है। इसलिए इसको सरजमीं पर उतरना बेहद जरूरी है। सवाल है कि जब एक मतदाता, एक वोट का विधान सफल हो सकता है तो फिर एक भारत, एक कानून का विधान क्यों नहीं? इस बात में कोई दो राय नहीं कि ऐसी सकारात्मक कोशिशें अंततोगत्वा समतामूलक समाज की दिशा में निर्णायक साबित हो सकते हैं।

लिहाजा यदि भारतीय संविधान के संघीय ढांचे और अन्यान्य विविधताओं को बनाए रखने वाले नानाविध प्रावधानों से 'एक देश, एक कानून' की पावन और समदर्शी सोच टकराती है तो ऐसे किसी भी टकराव को नजरअंदाज कीजिए और एक समान नागरिक संहिता (ष्ट्ष्ट) या एकसमान कानूनी व्यवस्था की दिशा में एक यथार्थपरक व्यवहारिक कदम उठाइए। इससे दलित, आदिवासी, ओबीसी, अल्पसंख्यक, सवर्ण जैसे निरर्थक भेद भी मिटेंगे और राष्ट्र को अप्रत्याशित मजबूती मिलेगी।

यह ठीक है कि इस राह में कई संरचनात्मक बाधाएं हैं लेकिन राष्ट्र के दूरगामी भविष्य के लिए इन कपोलकल्पित बाधाओं, वैधानिक जटिलताओं से निबटना भी तो सकारात्मक और आशावादी नेतृत्व की पहचान होती है। खासकर मोदी हैं तो मुमकिन है, वाली सोच यहां भी चरितार्थ की जा सकती है। योगी हैं तो यकीन भी किया जा सकता है। शाह हैं तो चिल्लपों भी नहीं मचेगा, ऐसा जनविश्वास है।

जहां तक संघीय ढांचे की चुनौतियों की बात है तो भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में विधायी शक्तियों का त्रिपक्षीय विभाजन (केंद्र, राज्य, समवर्ती) एक देश, एक कानून की राह का एक बड़ा रोड़ा समझा जाता है। उदाहरणतया पुलिस, सार्वजनिक व्यवस्था और भूमि जैसे विषय राज्य सूची में हैं, जिनमें केंद्र का सीधा हस्तक्षेप संभव नहीं होगा बिना संशोधन के क्योंकि संविधान का अनुच्छेद 246 इस विभाजन को मजबूत बनाता है जो एकसमान कानून लागू करने में राज्यों की सहमति या संविधान संशोधन की मांग करता है।

वहीं, मौलिक अधिकारों का टकराव भी संभाव्य है क्योंकि संविधान के अनुच्छेद 25-28 धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देते हैं, जो व्यक्तिगत कानूनों (पर्सनल लॉ) को संरक्षण प्रदान करते हैं। वहीं, यूनिफॉर्म सिविल कोड को अनुच्छेद 44 के नीति-निर्देशक तत्व के रूप में रखा गया है लेकिन यह बाध्यकारी नहीं है और मौलिक अधिकारों से टकरा सकता है। यही वजह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इसे लागू करने पर जोर दिया है (जैसे शाह बानो मामले में) लेकिन संघीय विविधता और अल्पसंख्यक अधिकारों के नाम पर राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी इस राह की सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है,

वहीं व्यावहारिक और न्यायिक अड़चनों की बात भी महत्वपूर्ण है क्योंकि एकीकृत न्यायपालिका (अनुच्छेद 214) होने के बावजूद, राज्यों में उच्च न्यायालयों की स्वायत्तता और लंबित मामलों (5 करोड़ से अधिक) की भारी संख्या एकसमान कानून के कार्यान्वयन को जटिल बनाती है। इसके अलावा, संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत संशोधन की प्रक्रिया में राज्यों की सहमति जरूरी हो सकती है जो राजनीतिक मतभेदों से अवरुद्ध रहती है।

जहां तक संभावित प्रभाव की बात है तो ये अड़चनें वास्तव में संविधान की विविधता-समर्थक भावना को दर्शाती हैं जो एकता के साथ बहुलवाद को संतुलित रखती हैं। हालांकि, डिजिटल युग में एकसमान कानून आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा दे सकता है, लेकिन बिना व्यापक सहमति के यह संघीय तनाव भी पैदा कर सकता है। इसलिए केंद्र सरकार और उसकी राज्य सरकारों को इस बाबत आम सहमति तैयार करने की कोशिश करनी चाहिए, क्योंकि एक भारत, एक कानून में ही न केवल देश बल्कि दुनिया का भी हित निहित, अंतर्निहित है।

देखा जाए तो समान नागरिक संहिता, भारतीय संविधान की मौलिक व्यवस्था पर ज्यादातर सकारात्मक प्रभाव डाल सकती है, खासकर समानता के अधिकार को मजबूत करके, लेकिन धार्मिक स्वतंत्रता जैसे क्षेत्रों में यह टकराव पैदा कर सकती है हालांकि, धर्म के आधार पर बंटवारे के बाद यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है बल्कि राजनीतिक कमजोरी का प्रतीक है। यह ठीक है कि संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत यह नीति-निर्देशक सिद्धांत राज्य को एकसमान नागरिक कानून बनाने का प्रयास करने को कहता है जो मौलिक अधिकारों से जुड़ता है। जहां तक समानता अधिकारों पर प्रभाव की बात है तो यूसीसी संवैधानिक अनुच्छेद 14 (विधि के समक्ष समानता) और 15 (भेदभाव निषेध) को मजबूत बनाएगा क्योंकि यह धर्म-आधारित व्यक्तिगत कानूनों को हटाकर लैंगिक न्याय सुनिश्चित करेगा। इसी के द्वारा तीन तलाक, असमान उत्तराधिकार जैसे मुद्दों का सम्यक समाधान हो सकता है, जो महिलाओं के अनुच्छेद 21 (जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार) को प्रभावित करते हैं हालांकि, यदि गलत तरीके से लागू हुआ तो यह अल्पसंख्यकों के बीच भेदभाव का आरोप लगा सकता है। जहां तक धार्मिक स्वतंत्रता पर प्रभाव की बात है तो अनुच्छेद 25-28 धार्मिक स्वतंत्रता और प्रबंधन का अधिकार देते हैं जो यूसीसी से टकरा सकता है क्योंकि व्यक्तिगत कानून सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा हैं। भले ही सर्वोच्च न्यायालय ने शाह बानो और सारला मुद्गल मामलों में यूसीसी की आवश्यकता बताई लेकिन इसे मौलिक अधिकारों का उल्लंघन न मानते हुए संतुलित किया। फिर भी जनजातीय रीति-रिवाजों वाली समुदायों पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ सकता है।

जहां तक अन्य मौलिक प्रावधानों पर यूसीसी के प्रभाव की बात है तो यूसीसी संवैधानिक अनुच्छेद 21 को सशक्त बनाएगा क्योंकि यूसीसी पितृसत्तात्मक प्रथाओं को चुनौती देगा और न्याय प्रक्रिया को सरल करेगा लेकिन समवर्ती सूची के विषय होने से राज्य स्वायत्तता प्रभावित हो सकती है जो संघीय ढांचे से जुड़ी मौलिक भावना को कमजोर करेगी। कुल मिलाकर, यूसीसी मौलिक अधिकारों को आधुनिक संदर्भ दे सकता है यदि सहमति-आधारित हो तो। यही वजह है कि भारतीय सुप्रीम कोर्ट ने हाल के वर्षों में यूनिफॉर्म सिविल कोड पर स्पष्ट निर्देश देने से इनकार किया है बल्कि इसे संसद के क्षेत्राधिकार में माना है। भले ही कोर्ट ने कई ऐतिहासिक फैसलों में यूसीसी के सिद्धांत का समर्थन किया, लेकिन कार्यपालिका को ही इसकी जिम्मेदारी सौंपी। जहां तक कोर्ट के रुख की बात है तो सुप्रीम कोर्ट ने 2023 और 2024 में यूसीसी लागू करने की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया, क्योंकि यह विधायी मामला है।

भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश (ष्ट्ष्ठड्ड) डीवाई चंद्रचूड़ ने मार्च 2023 में छह याचिकाओं को निस्तारित करते हुए कहा कि यूसीसी संसद बनाएगी। इससे पहले आये निम्नलिखित प्रमुख फैसले में भी यूसीसी की चर्चा है। शाह बानो (1985), सरला मुदगल (1995), और जॉन वल्लामट्टम (1997) जैसे मामलों में कोर्ट ने यूसीसी की आवश्यकता पर बल दिया लेकिन निर्देश नहीं दिए। इसी प्रकार जनवरी 2023 में उत्तराखंड यूसीसी समिति को चुनौती देने वाली याचिकाएं भी खारिज हुईं।

जहां तक वर्तमान स्थिति की बात है तो जनवरी 2026 तक कोई नया निर्देश नहीं आया क्योंकि कोर्ट यूसीसी को अनुच्छेद 44 के नीति-निर्देशक सिद्धांत के रूप में देखता है, लेकिन धार्मिक स्वतंत्रता के साथ संतुलन पर जोर देता है। यही वजह है कि भाजपा शासित उत्तराखंड सरकार ने 2024 में राज्य-स्तरीय यूसीसी लागू किया। समझा जा रहा है कि धीरे धीरे मोदी-शाह इसे पूरे देश में लागू करेंगे।

हालांकि इससे भी एक कदम आगे बढ़कर सभी जनहितकारी मामलों में यदि एक देश, एक कानून जैसे अग्रगामी प्रावधानों को लागू कर दिया जाता है तो विगत 100 सालों से अनवरत रूप से जारी फूट डालो, शासन करो की नीति का जड़मूल से खात्मा हो जाएगा। यद्यपि मुट्ठी भर चतुर सुजान विदेशी टुकड़े पर विरोध अवश्य करेंगे लेकिन जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटवाकर एक विधान, एक निशान की राष्ट्रीय नीति लागू करवा सकते हैं तो उनके लिए एक देश, एक कानून को मूर्त रूप देना-दिलवाना कोई बड़ी बात नहीं है बशर्ते कि इस मुद्दे पर भाजपा और आरएसएस की नीति साफ और नीयत स्पष्ट हो।

कन्यादान नहीं, सम्मान चाहिए

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज विश्व बालिका दिवस मनाया जा रहा है। देश और दुनिया में इस अवसर पर अनेक कार्यक्रम, संगोष्ठियाँ और प्रतीकात्मक आयोजन हो रहे हैं। मंचों से बालिकाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तीकरण की बातें कही जा रही हैं। लेकिन यह प्रश्न बार-बार सामने आता है कि क्या किसी एक दिवस का आयोजन वास्तव में उस गहरी सामाजिक समस्या का समाधान कर सकता है, जो पीढ़ियों से बालिकाओं के जीवन को प्रभावित करती आ रही है। सम्मान किसी कैलेंडर की तारीख से तय नहीं होता, बल्कि वह समाज के दैनिक व्यवहार, सोच और निर्णयों में परिलक्षित होता है।

भारतीय समाज में बालिका को लेकर एक विचित्र विरोधाभास दिखाई देता है। एक ओर उसे देवी, शक्ति और लक्ष्मी का रूप कहकर पूजनीय माना जाता है, दूसरी ओर उसी बालिका के जीवन पर सबसे अधिक नियंत्रण और प्रतिबंध लगाए जाते हैं। जन्म से पहले चयन, जन्म के बाद भेदभाव और बड़े होते-होते अपेक्षाओं का बोझ—यह सब उसकी नियति का हिस्सा बना दिया जाता है। पूजा और अधिकार के बीच की यह दूरी यह स्पष्ट करती है कि हमारे सामाजिक मूल्यों में अभी भी गहरी असंगति मौजूद है।

बालिका के जीवन में असमानता केवल व्यवहार तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह भाषा, परंपराओं और संस्कारों के माध्यम से भी पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती है। इन्हीं परंपराओं में एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील शब्द है— कन्यादान। दान का अर्थ है किसी वस्तु को सौंप देना, लेकिन बेटी कोई वस्तु नहीं है। वह एक स्वतंत्र व्यक्तित्व है, जिसकी अपनी चेतना, इच्छा और भविष्य है। ऐसे में विवाह के समय उसका दान किया जाना न केवल भाषा की समस्या है, बल्कि सोच की भी गंभीर समस्या है।

विवाह भारतीय समाज में एक महत्वपूर्ण सामाजिक संस्कार माना जाता है। लेकिन संस्कार वही सार्थक होता है, जो समानता और सहमति पर आधारित हो। कन्यादान की अवधारणा पिता को दाता और बेटी को दान बना देती है, जिससे असमानता का भाव स्वतः स्थापित हो जाता है। इसके विपरीत पाणिग्रहण जैसी अवधारणा साझेदारी और स्वीकार का भाव देती है। समय की माँग है कि समाज भाषा के साथ-साथ उस सोच पर भी पुनर्विचार करे, जो इन शब्दों के पीछे छिपी हुई है।

दुखद तथ्य यह है कि आज भी देश के अनेक हिस्सों में बालिकाओं से उनके जीवन के सबसे महत्वपूर्ण निर्णयों में औपचारिक रूप से भी राय नहीं ली जाती। शिक्षा, विवाह और करियर जैसे विषयों पर अंतिम निर्णय परिवार या समाज द्वारा लिया जाता है। बालिका से अपेक्षा की जाती है कि वह परिस्थितियों को स्वीकार करे और चुपचाप निभाए। यह चुप्पी धीरे-धीरे उसके जीवन का स्थायी हिस्सा बन जाती है और संघर्ष का रूप ले लेती है।

बालिका का संघर्ष बचपन से ही आरंभ हो जाता है। कभी संसाधनों की कमी के रूप में, कभी सुरक्षा के नाम पर लगाए गए प्रतिबंधों के रूप में। उसे हर चरण पर स्वयं को सिद्ध करना पड़ता है, फिर भी उस पर संदेह किया जाता है। समाज उससे त्याग, सहनशीलता और समर्पण की अपेक्षा करता है, लेकिन बदले में उसे समान अधिकार देने से कतराता है। यह असंतुलन ही असली समस्या की जड़ है।

अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि बेटियाँ परिवार की इज्ज़त होती हैं। लेकिन इस इज्ज़त की कीमत अधिकांश मामलों में उनकी स्वतंत्रता से चुकाई जाती है। इज्ज़त किसी एक व्यक्ति के कंधों पर नहीं टाली जा सकती। वह सामूहिक आचरण, नैतिकता और समानता से बनती है। किसी की आज़ादी सीमित करके समाज अपनी गरिमा नहीं बचा सकता, बल्कि उसे और कमजोर ही करता है।

बालिका दिवस के अवसर पर कन्या पूजन और सम्मान की बातें बड़े स्तर पर की जाती हैं। लेकिन वास्तविक सम्मान पूजा की थाली से नहीं, बल्कि समान अवसरों से मिलता है। जब बालिका को पढ़ने, आगे बढ़ने और अपने सपने चुनने की स्वतंत्रता मिले, तभी सम्मान का अर्थ सार्थक होगा। जब उसकी 'ना' को भी उतनी ही गंभीरता से लिया जाएगा, जितनी 'हाँ' को, तभी उसे सशक्त कहा जा सकेगा।

यह स्वीकार करना होगा कि केवल कानून और योजनाएँ पर्याप्त नहीं हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर अनेक नीतियाँ बनाई गई हैं, लेकिन सामाजिक सोच में परिवर्तन के बिना उनका प्रभाव सीमित रह जाता है। जब तक परिवार और समाज अपनी मानसिकता नहीं बदलते, तब तक वास्तविक परिवर्तन संभव नहीं है। सामाजिक सुधार का आरंभ घर से होता है, न कि केवल मंच और भाषण से।

आज आवश्यकता इस बात की है कि बालिका को दया या संरक्षण की दृष्टि से न देखा जाए। उसे कमज़ोर नहीं, बल्कि समान और सक्षम नागरिक के रूप में स्वीकार किया जाए। उसके अधिकारों को अनुग्रह नहीं, बल्कि संवैधानिक हक़ के रूप में समझा जाए। बालिका दिवस का उद्देश्य भावनात्मक अपील नहीं, बल्कि व्यवहारिक बदलाव होना चाहिए।

समाज को यह आत्ममंथन करना होगा कि क्या वह वास्तव में बालिकाओं को बराबरी का जीवन दे पा रहा है। क्या घरों में, स्कूलों में और कार्यस्थलों पर बेटियों को वही सम्मान और अवसर मिल रहे हैं, जो बेटों को मिलते हैं। यदि उत्तर नकारात्मक है, तो बालिका दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन बनकर रह जाएगा।अंततः यह स्पष्ट है कि बालिकाएँ किसी एक दिवस की प्रतीक नहीं हैं। वे समाज और राष्ट्र का वर्तमान भी हैं और भविष्य भी। कन्यादान की मानसिकता से बाहर निकलकर कन्या-स्वाधिकार को अपनाना ही एक संवेदनशील और आधुनिक समाज की पहचान है। जब तक बालिका को सम्मान के साथ जीने का अधिकार नहीं मिलेगा, तब तक किसी भी दिवस का उत्सव अधूरा ही रहेगा। यही विश्व बालिका दिवस की वास्तविक और स्थायी सार्थकता है।

कांग्रेस को असम से बहुत उम्मीदें

अजीत द्विवेदी

अप्रैल में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव होंगे, जिनमें से दो राज्य कांग्रेस की उम्मीदों के प्रदेश हैं। कांग्रेस को केरल और उसके साथ साथ असम से बहुत उम्मीदें हैं। कांग्रेस को लग रहा है कि 10 साल की सत्ता ने प्रदेश में भाजपा को अलोकप्रिय बनाया है और मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के भड़काऊ भाषणों व विभाजनकारी राजनीति से लोग ऊबे हुए हैं। लेकिन क्या सचमुच ऐसा है? यह सही है कि 10 साल की एंटी इन्कम्बैंसी है और संशोधित नागरिकता कानून यानी सीएए से भी असम के लोगों में नाराजगी है। फिर भी पिछले दो चुनावों से जिस स्तर का ध्रुवीकरण हो रहा है वह कांग्रेस के लिए चुनौती है। हालांकि इस बार कांग्रेस ने बदरूद्दीन अजमल की पार्टी से तालमेल नहीं किया है। इससे ध्रुवीकरण की संभावना थोड़ी कम हुई है। बहरहाल, पहले सीएए की बात करते हैं। भाजपा ने 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले संशोधित नागरिकता कानून यानी सीएए पर अमल इसलिए रोक दिया था क्योंकि असम में उसको इसके नुकसान का अंदाजा हो गया था। गौरतलब है कि सीएए का कानून 2019 में पास किया गया लेकिन उसे लागू करने के नियम नहीं बनाए गए। 2021 के चुनाव में भाजपा को इसका असम में फायदा हुआ और पश्चिम बंगाल में थोड़ा नुकसान हुआ। अब पश्चिम बंगाल में फायदे के लिए उसने सीएए लागू कर दिया लेकिन हो सकता है कि असम में इसका नुकसान हो। असम में यह धारणा बनी है कि सीएए से बांग्ला बोलने वाली आबादी बढ़ जाएगी और असमिया भाषा व संस्कृति कमजोर होगी।

कांग्रेस के नेता और मुख्यमंत्री पद के अघोषित दावेदार गौरव गोगोई अहोम वंश से जुड़े हैं और असमिया भाषा और संस्कृति के मुद्दे उठाते रहते हैं। साथ ही कांग्रेस ने भाषा व संस्कृति के आधार पर सीएए का विरोध करने वाले समूहों द्वारा बनाई गई पार्टियों से तालमेल किया है। वह भाजपा के धर्म के आधार पर ध्रुवीकरण के मुकाबले भाषा और अस्मिता के आधार पर ध्रुवीकरण की राजनीति कर रही है। कांग्रेस पार्टी ने असम में उम्मीदवारों का चयन करने के लिए छंटनी समिति बनाई है, जिसका अध्यक्ष प्रियंका गांधी वाड्रा को बनाया गया है। इससे भी लग रहा है कि कांग्रेस असम को लेकर काफी भरोसे में है। गठबंधन की बातचीत भी लगभग तय है। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण रोकने के लिए कांग्रेस ने इस बार बदरूद्दीन अजमल की ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट यानी एआईयूडीएफ से तालमेल नहीं किया है। पिछले चुनाव में कांग्रेस ने अजमल की पार्टी के लिए 20 सीटें छोड़ी थीं।

पिछली बार की तरह इस बार बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट यानी बीपीएफ भी कांग्रेस के साथ नहीं है। हागरामा मोहिलारी की पार्टी ने बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल यानी बीटीसी का चुनाव जीता और उसके बाद भाजपा ने उससे तालमेल कर लिया है। अब बोडोलैंड की दोनों पार्टियां बीटीसी और यूपीपीएल भाजपा के साथ हैं। कांग्रेस ने अजमल और मोहिलारी की पार्टी को 32 सीटें दी थीं और खुद 95 सीटों पर लड़ी थी। इस बार ये दोनों पार्टियां कांग्रेस के साथ नहीं हैं। लेकिन कांग्रेस ने अलग अलग जातीय समूहों में असर रखने वाली छोटी पार्टियों के साथ अपना गठबंधन किया है। कांग्रेस ने पिछली बार महाजोत बनाया था, जिसमें एआईयूडीएफ, बीपीएफ के साथ साथ राष्ट्रीय जनता दल, तीन कम्युनिस्ट पार्टियां और एक अन्य दल शामिल था। इस बार कांग्रेस ने असोम सम्मिलितो मोर्चा बनाया है। इसमें कांग्रेस के अलावा पहले की तरह सीपीआई, सीपीएम और सीपीआई माले शामिल है। पिछली बार यूआरएफ बना कर अलग चुनाव लड़ी दो स्थानीय पार्टियों लुरिनजोत गोगोई की असम जातीयता परिषद और अखिल गोगोई की रायजोर दल से इस बार कांग्रेस ने तालमेल किया है। इनके अलावा ऑल पार्टी हिल लीडर्स कॉन्फ्रेंस से भी कांग्रेस ने तालमेल किया है। यूपीपीएल और बीपीएफ के नहीं होने से हिल एरिया के लिए कांग्रेस को एक पार्टी की जरुरत थी।

संक्षिप्त-खबर

रायपुर साहित्य उत्सव में कविता पाठ के लिए आभा श्रीवास्तव आमंत्रित

राजनांदगांव। जिले के लिए यह अत्यंत गौरव और हर्ष का विषय है कि जिले की वरिष्ठ साहित्यकार श्रीमती आभा श्रीवास्तव को 23 से 25 जनवरी तक नया रायपुर स्थित पुरखौती मुक्तांगन में आयोजित होने वाले रायपुर साहित्य उत्सव में कविता-पाठ के लिए आमंत्रित किया गया है। यह साहित्य उत्सव राष्ट्रीय स्तर का प्रतिष्ठित आयोजन है, जिसमें देशभर के ख्यातिप्राप्त साहित्यकार, कवि, लेखक एवं विचारक भाग लेते हैं। श्रीमती आभा श्रीवास्तव इस तीन दिवसीय साहित्य उत्सव में राजनांदगांव का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी रचनात्मक उपस्थिति दर्ज कराएंगी तथा कविता-पाठ के माध्यम से अपने साहित्यिक विचारों और सामाजिक संवेदनाओं को श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत करेंगी। उनके चयन से न केवल उनकी व्यक्तिगत साहित्यिक उपलब्धियों को सम्मान मिला है, बल्कि राजनांदगांव जिले की साहित्यिक परंपरा को भी राष्ट्रीय पहचान प्राप्त हुई है। आभा श्रीवास्तव का साहित्यिक योगदान बहुआयामी और समृद्ध रहा है। अब तक उनकी कुल 13 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें अग्रगामी, अभिनंदन, पकडंडी (भारत का इतिहास), संदर्भ छत्तीसगढ़, पलाश के रंग, शंकर, वास्तु स्थिति, श्रद्धांजलि, सफर, आंखों का तारा, छत्तीसगढ़ तब और अब, अशोक, कविता के रंग तथा भारत जैसी महत्वपूर्ण कृतियां शामिल हैं। उनके लेखन में इतिहास, संस्कृति, समाज और मानवीय भावनाओं का सशक्त और संवेदनशील चित्रण देखने को मिलता है। अपने उल्लेखनीय साहित्यिक योगदान के लिए उन्हें अनेक साहित्यिक सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। वर्तमान में वे साहित्यिक पत्रिका उजाला आकाश की संपादक हैं तथा उनके लेखन और काव्य का प्रसारण रेडियो एवं दूरदर्शन जैसे प्रतिष्ठित माध्यमों पर भी होता रहा है। रायपुर साहित्य उत्सव में उनकी सहभागिता से साहित्य प्रेमियों को समृद्ध रचनात्मक अनुभव प्राप्त होगा तथा युवा रचनाकारों को भी प्रेरणा मिलेगी।

स्टेशन पारा में मुखियार समाज, हमर क्लिनिक, आंगनबाड़ी में किया गया ध्वजारोहण : आसिफ

राजनांदगांव। 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर राजेन्द्र प्रसाद वार्ड नं. 11 में हमर क्लीनिक, मखियार समाज एवं आंगनबाड़ी केंद्र में ध्वजारोहण का कार्यक्रम कांग्रेस नेता आसिफ अली के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर आसिफ अली ने उपस्थित सभी लोगो को गणतंत्र दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर चिकित्सा अधिकारी अश्मिन निशा, स्टॉफ नर्स नलिनी सागरे, एट्रपीडब्लू रूपेश पीसदा, जेएसए इलेश सोनकर, चतुर्थ श्रेणी भुनेश्वरी साहू, मितानिन चमेली, देवकी मखियार समाज अध्यक्ष, श्रीमती बबीता कुलदीप, दुरपती बघेल, सरिता कुलदीप, आशा भंनेट, पुजा कुलदीप, संजोता कुलदीप, कमल कुलदीप, सालिकराम भंनेट, राहुल बघेल, विनोद कुलदीप, राजू रगडे, ऊतम बघेल, चांदनी बघेल, जितेंद्र कुलदीप, प्रीत राम साहू, गोलू विश्वकर्मा, जितेंद्र साहू, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उत्तरा रामटेके, भावना ताम्रकार, अर्चना नागदेवे, धन्नू बारा पात्रे, बेला मेश्राम, देवकी यादव, संतोषी नागवंशी, चित्रलेखा, चंद्रावती साहू, रेखा साहू, महेश्वरी यादव, सरस्वती यादव, बिना यादव, गौरी रामटेके, सुषमा उके, बीसो सिन्हा, बिलकिस खान, भागवत सिन्हा, नारद पाल, शिव लाला यादव, प्रीत, पंचराम निषाद, रामकुमार अग्रवाल, गोपाल सिन्हा, दानी रगड़े, धीरज रामटेके और वार्ड वासी उपस्थित थे।

तुलसीपुर में गणतंत्र दिवस पर डांस और गायन प्रतियोगिता

राजनांदगांव। तुलसीपुर में गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित डांस और गायन प्रतियोगिता में अजीत जोगी युवा मोर्चा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शमसुल आलम विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में गणतंत्र के महत्व को स्पष्ट किया और युवाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया। शमसुल आलम ने कहा, भारत का लोकतंत्र, जनता का जनता के लिए और जनता द्वारा चलाया जाने वाला शासन है। यह हमारी संस्कृति की पहचान है। हमें अपने संविधान को बचाना होगा, क्योंकि संविधान ही हमें समानता का अधिकार प्रदान करता है। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों की हौसला अफजाई करते हुए उन्हें और मेहनत करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में युवाओं का जोश देखने को मिला और अंत में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

अलेख महिमा आश्रम बसना में दो दिवसीय विश्व कल्याणार्थ यज्ञ सम्पन्न

बसना(समय दर्शन)। श्री गुरु अलेख महिमा आश्रम बसना में दो दिवसीय विश्व कल्याणार्थ यज्ञ अनुष्ठान दिनांक- 23 जनवरी,दिन-शुक्रवार एवं 24 जनवरी ,दिन-शनिवार 2026 को सम्पन्न हुआ।

प्रथम दिवस अखण्ड ब्रह्म ज्योति एवं यज्ञ के साथ प्रारंभिक सत्र में प्रात: 10बजे धर्म जागरण विषय पर व्याख्यान के साथ आयोजन का आगाज हुआ।

दूर दूरांचल से पधारे सैकड़ों श्रद्धालु भक्त वृंदों ने यज्ञ में भाग लिया। संध्या कालीन सत्र से सत्संग भजन कीर्तन प्रारंभ होकर अविरल रात भर संचालित

हुआ।

दिनांक- 24 जनवरी दिन-शनिवार की प्रात: ब्रह्म मुहूर्त में महाभोग व पूर्णाहुति हुई, तत्पश्चात साधु संतों की सभा को गुरु गद्दी ढेंकानाल उड़ीसा से पधारे महिमा संन्यासी बाबा धनेश्वर दास,बसना आश्रम प्रभारी महिमा सन्यासी बाबा उसत दास, बाबा प्रफुल्ल दास,बाबा रामेश्वर दास,बाबा बलराम दास ने महिमा धर्मानुसार राष्ट्र कल्याण एवं जगत कल्याणार्थ त्याग बलिदान देने विषयक उपदेश देते हुए

सर्व मंगल कामना के साथ आशीर्वाद दिया। बसना आश्रम से जुड़े श्रद्धालु भक्त वृंदों ने साधु संतों को अंग वस्त्र श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। इस आयोजन में उड़ीसा, मध्यप्रदेश सहित छत्तीसगढ़ के अनेक जिलों से साधु संतों ने इस ब्रह्म यज्ञ में सैकड़ों की संख्या में हिस्सा लेने पधारे। इस दौरान बाबा धनेश्वर दास , बाबा उसत दास, बाबा बलराम दास , बाबा प्रफुल्ल दास , बाबा बनवासी दास, बाबा जगन्नाथ दास , बाबा घसिया दास, बाबा गणेश दास,बाबा पाण्डव दास, भक्त गोविंद दास, देवानंद,सालिकराम,हेतराम, श्रीनिवास जेना, भक्त मोहन, भोजराम,तेजराय,राजकुमार,आनंद,दुखु,क्षेत्रो,कपूरचंद, भुनेश्वर, फूलचंद, फूलसिंह, अन्तर्यामी,उग्रेसन,मुरीत,रवि लाल, श्यामलाल, पवनसिंह, अंजोर सिंह आदि सैकड़ों भक्त वृंदों के साथ बसना नगर के श्रद्धालु भक्त वृंद एवं आश्रम के सेवादार उपस्थित रहे।

कलेक्टर के द्वारा धान खरीदी केन्द्र कुरचुण्डी का किया औंचक निरीक्षण, भौतिक सत्यापन किये जाने का दिया निर्देश

कलेक्टर के निर्देशानुसार किया गया भौतिक सत्यापन,कुरचुण्डी धान खरीदी केंद्र में 3325 कट्टा धान की आई कमी

बसना(समय दर्शन) कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के द्वारा जिले में धान खरीदी व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी, सुचारू एवं किसान हितैषी बनाये रखने के उद्देश्य से लगातार धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया जा रहा है।

बसना विकास खंड के उड़ीसा सीमा से लगे धान खरीदी केन्द्र कुरचुण्डी का औंचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संचालित धान खरीदी कार्यों की बारीकी से समीक्षा की। अव्यवस्था को देखते हुए कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित कर्मचारियों से उनके कार्यों के संबंध में नाराजगी जताई। कलेक्टर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि धान खरीदी कार्य पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता एवं शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया जाये। टोकन सत्यापन, वजन, स्टेकिंग एवं रिकॉर्ड संधारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने केन्द्र की व्यवस्थाओं को और बेहतर करने और किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने तत्काल भौतिक सत्यापन किये जाने का निर्देश दिया। कलेक्टर के निर्देशानुसार धान खरीदी केंद्र कुरचुण्डी का 23/01 /26 भौतिक सत्यापन किया गया। 23/01/26 तक 43583.20 क्विंटल धान खरीदी हुई जिसमें 40258.20 क्विंटल धान पाया गया।भौतिक सत्यापन के दौरान 3325 कट्टा धान की कमी पाई गई। धान खरीदी केंद्र प्रभारी क्षमानिधि साव ने भौतिक सत्यापन से असंतुष्ट होकर पुन: भौतिक सत्यापन किये जाने की मांग की है

।दूसरे दिन नोडल अधिकारी सूरज सिदार सी एम ओ नगर पंचायत बसना के द्वारा भौतिक सत्यापन किये जाने का प्रयास किया गया परंतु धान बोरियों के अस्त व्यस्त होने के कारण सत्यापन किये जाने में असमर्थ रहा और आगे उन्होंने कहा कि नायब तहसीलदार,आर आई, पटवारी के द्वारा भौतिक सत्यापन किया गया है वही सही है।

जाच दल के द्वारा किये गये भौतिक सत्यापन पर खरीदी प्रभारी असंतुष्ट - सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार नायब तहसीलदार बसना के नेतृत्व हुई भौतिक सत्यापन पर धान खरीदी प्रभारी क्षमानिधि साव ने कहा है कि इनके द्वारा जांच से मैं संतुष्ट नहीं हूं। 23/01/26 को कलेक्टर के निर्देशानुसार भौतिक सत्यापन किया गया जिसमें 3325 कट्टा धान की कमी पाई गई। लेकिन इस संबंध अभी तक किसी भी प्रकार से कार्रवाई नहीं की गई है आखिर क्यों ?

कलेक्टर के निर्देशानुसार धान खरीदी केंद्र कुरचुण्डी में भौतिक सत्यापन किया गया है जिसमें 3325 कट्टा धान की कमी पाई गई है जिसका प्रतिवेदन बनाकर जिलाधीश कार्यालय को सौंपा जायेगा।

हरिशंकर पैंकरा
एस डी एम
कार्यालय -बसना

धान खरीदी केंद्र कुरचुण्डी में भौतिक सत्यापन के दौरान 3325 कट्टा धान की कमी पाई गई। विस्तृत जानकारी एस डी एम साहब से ले सकते हैं।

प्रकृति सिंह
नायब तहसीलदार
बसना

पंचनामा में मेरे द्वारा हस्ताक्षर किया गया है परंतु उक्त भौतिक सत्यापन से संतुष्ट नहीं हूं। पुन: भौतिक सत्यापन किया जाना चाहिए।

क्षमानिधि साव
प्रभारी
धान खरीदी केंद्र
कुरचुण्डी

धान खरीदी केंद्र कुरचुण्डी में भौतिक सत्यापन करने गया था, लेकिन खरीदी केंद्र में धान, इधर उधर ,अस्त व्यस्त पड़ा था।

विगत दिनों जांच टीम के द्वारा किया गया भौतिक सत्यापन से सहमत हूं। शासन के नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए।

सूरज सिदार
नोड अधिकारी धान
खरीदी केंद्र कुरचुण्डी

बंसुला स्कूल में आयोजित हुआ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

बसना (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला एवं पूर्व माध्यमिक शाला बंसुला में गणतंत्र दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें अतिथि के रूप में सरपंच नवीन साहू, उप सरपंच किशोर प्रधान, समिति अध्यक्ष चंदन चौहान, उपाध्यक्ष भारत साव, पूर्व प्रधान पाठक एस जी पटेल बतौर अतिथि पधारे। अतिथियों के द्वारा भारत माता के तैल चित्र में पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात तिरंगा झंडा के साथ रेड क्रॉस, स्काउट ध्वज फहराकर राष्ट्र गान व राष्ट्र गीत गायन के साथ देश के महान वीर सपूतों और जय हिन्द,भारत माता की जयकारे से गूंज उठा बंसूला ग्राम की धरा। ग्राम में देश भक्ति की भावना को प्रगाढ़ करने ,प्रभात फेरी निकाली गई।शाला परिसर मे सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत रंगारंग उड़िया, छत्तीसगड़ी, हिंदी रिमिक्स नृत्य प्रस्तुत किए। जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में जन्मजय साव जनपद सदस्य, नवीन साव, रमेश चन्द्र शर्मा पूर्व प्रधान पाठक, तथा शौकीलाल लाल बारीक सर उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के प्रधान पाठक दिनेश डड़सेना, प्रवीर कुमार बेहेरा, कार्यक्रम प्रभारी सुजाता प्रधान, राजेश साव, मंदाकिनी प्रधान, अनिता साहू, सीता साहू, पुष्पांजलि मैडम का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक राजेश भोई ने किया। इस अवसर पर समिति के सभी सदस्य गण, पालक गण, गांव के गणमान्य नागरिक बहुत अधिक संख्या में उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना की पहली किश्त गलत खाते में जाने से हितग्राही परेशान

बसना (समय दर्शन)। जनपद पंचायत बसना अंतर्गत ग्राम पंचायत दलदली के आश्रित ग्राम बिलखंड में प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन में गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है।

योजना के तहत ग्राम दलदली निवासी देव प्रसाद प्रजापति के नाम से प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुआ था, किंतु योजना की पहली किश्त की राशि गलत बैंक खाते में स्थानांतरित कर दी गई, जिससे हितग्राही को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक पिरदा शाखा द्वारा की गई त्रुटि के कारण 40,000 रुपये की प्रथम किश्त देव प्रसाद प्रजापति के खाते में न जाकर ग्राम सीतापुर निवासी बिलासिनी प्रधान के बैंक खाते में डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से भेज दी गई।

इस गंभीर गलती का खामियाजा वास्तविक हितग्राही देव प्रसाद प्रजापति को भुगतना पड़ रहा है।

हितग्राही देव प्रसाद प्रजापति पिछले कई दिनों से जनपद पंचायत बसना और जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं हो सका है। आवास निर्माण कार्य राशि के अभाव में शुरू नहीं हो पा रहा है, जिससे उन्हें मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान होना पड़ रहा है।

इस संबंध में जब हमारे संवाददाता ने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक पिरदा शाखा के शाखा प्रबंधक से जानकारी लेने का प्रयास किया, तो उन्होंने किसी भी प्रकार की प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया और बिना कोई जवाब दिए वहां से चले गए। शाखा प्रबंधक का यह रवैया संदेह को और गहरा करता है।

सूत्रों के अनुसार, जिस खाते में प्रथम किश्त की राशि अंतरित हुई है, वह शाखा प्रबंधक का रिश्तेदार बताया जा रहा है।

हालांकि, इस मामले में अब तक किसी प्रकार की आधिकारिक जांच शुरू नहीं की गई है। हितग्राही का कहना है कि यदि शीघ्र ही मामले की निष्पक्ष जांच कर राशि सही हितग्राही के खाते में नहीं डाली गई, तो वे उच्च अधिकारियों से शिकायत करने के साथ-साथ आंदोलन का रास्ता भी अपना सकते हैं।

अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और पीड़ित हितग्राही को कब न्याय मिल पाता है।

संस्कार सिटी कॉलेज ऑफएजुकेशन में बसंत पंचमी पर मां सरस्वती की विधिवत पूजा

राजनांदगांव। संस्कार सिटी कॉलेज ऑफएजुकेशन, ठाकुरटोला, राजनांदगांव में बसंत पंचमी के पावन अवसर पर विद्या की देवी मां सरस्वती का विधिवत पूजन एवं वंदन किया गया। इस अवसर पर संपूर्ण महाविद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा संपन्न कराई गई। महाविद्यालय की प्राचार्य सहित प्रशिक्षणार्थियों ने मां सरस्वती से विद्या, विवेक एवं सद्बुद्धि की कामना की।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. गुरप्रीत कौर ने अपने उद्बोधन में कहा कि बसंत पंचमी ज्ञान, सृजन और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक पर्व है। मां सरस्वती का पूजन हमें शिक्षा के महत्व को समझने और जीवन में नैतिक मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद स्वरूप खिचड़ी एवं मिष्ठान का वितरण किया गया।

सांसद रूप कुमारी चौधरी के हाथों सम्मानित हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम के विजेता

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुंद नगर के - स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय नयापारा महासमुंद में 26 जनवरी 2026 प्रात: 7:30 बजे ध्वजारोहण का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में संस्था के वरिष्ठ व्याख्याता के. आर .देवांगन के द्वारा ध्वजारोहण किया गया, कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्राचार्य अमी रूफस के द्वारा बच्चों को 77 में गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की गई ,जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद प्रतिनिधि गोपाल वर्मा, पार्षद राहुल आवड़े , पार्षद मुस्ताक खान ,महामंत्री जिला मंडल भाजपा मीना वर्मा , वरिष्ठ व्याख्याता गोसाई राम टांडेकर, प्रियंका पीटर, तथा विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राएं एवं महासमुंद नगर के सम्माननीय जन उपस्थित थे ।

इसके पश्चात जिला मुख्यालय स्थित मिनी स्टेडियम में आयोजित मुख्य गणतंत्र दिवस समारोह में विद्यालय के 140 छात्राओं ने जिला स्तरीय सांस्कृतिक समारोह में पंच महाभूत (पंचतत्व) पर आधारित नृत्य प्रस्तुत की गई जिसमें भारतीय दर्शन और आयुर्वेद के अनुसार ब्रह्मांड और मानव शरीर के निर्माण

के पाँच आधारभूत तत्व हैं: पृथ्वी (ठोस/धरती), जल (द्रव), अग्नि (ऊर्जा/ताप), वायु (गति/प्राण) और आकाश (स्थान/शून्य)। यह सिद्धांत मानता है कि सृष्टि का प्रत्येक पदार्थ इन पाँचों के संतुलन से बना है और स्वास्थ्य इन्हीं के उचित संयोजन पर निर्भर करता है इन्हें की मूल्य को समाज और देश के नौजवान छात्रों तक पहुंचाने का माध्यम नृत्य गीत संगीत बेहतर माध्यम होता है।

जिला स्तरीय सांस्कृतिक समारोह में विगत 3 वर्षों से स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय नयापारा प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसमें महासमुंद लोकसभा के सांसद श्रीमती रूपकुमारी

चौधरी, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के हाथों से संस्था के प्राचार्य अमि रूफस एवं सांस्कृतिक प्रभारी नेहा दुबे, कल्याणी सोनकर तृषा शर्मा आकांक्षा जैन नेहा सिंह नेहा सिंह मनीषा कन्नौज ,पूर्णिमा चंद्राकर, अंजलि कहार ,प्रणिता शर्मा, भामा प्रधान ,हेमलाल चक्रधारी, रणजीत सिंह, प्रेम यादव,आदि छात्र -छात्राओं ने शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्राप्त किया ।

इस बड़ी उपलब्धि के लिए संस्था के प्राचार्य एवं सांस्कृतिक प्रभारी की प्रशंसा महासमुंद जिला के जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे, डीएमसी महासमुंद रेखराज शर्मा, सहायक संचालक एन के सिंन्हा, एटीपीओ, प्रमोद कुमार कन्नौजे , वरिष्ठ व्याख्याता गोसाई राम टांडेकर, प्रियंका पीटर, ओम प्रकाश देवांगन, ससबीर कौर, नितेश शर्मा, रौनक अग्रवाल, विकास यादव आदि शिक्षक - शिक्षकों ने शुभकामनाएं दी।

संक्षिप्त समाचार

किरन्दुल फुटबॉल ग्राउंड में मनाया गया 77 वां गणतंत्र दिवस

किरन्दुल । दिनांक 26 जनवरी को लौहनगरी किरन्दुल स्थित फुटबॉल ग्राउंड सोमवार देश का 77 वां गणतंत्र दिवस मनाया गया।मुख?य अतिथि एनएमडीसी अधिशासी निदेशक रवींद्र नारायण एवं वरिष्ठ कर्मचारी राजेश संधू ने संयुक्त रूप से ध?वजारोहण किया।मुख?य अतिथि ने सीआईएसएफ जवानों,एनसीसी कैडेट एवं स?कूल छात्र-छात्राओं की परेड की सलामी ली।अपने संबोधन में मुख?य अति ?थि ने देश के विकास में एनएमडीसी द्वारा दिए जा रहे महत ?वपूर्ण योगदान बताया गया।परियोजना कर्मचारियों से उत ?पादन-उत ?पादकता के कीर्तिमान हासिल करने की अपील एवं सीएसआर के तहत आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में किए जा रहे विकासात ?मक कार्यों को भी बताया।मुख?य अतिथि ने बेस?ट वर्कर्स अवार्ड प्रदान किए।बीआईओपी स?कूल द्वारा एकता गीत प्रस?तुत किया गया।सांस?कृतिक कार्यक्रम तथा केवीएस, डीएवी, प्रकाश विद्यालय एवं बीआईओपी स?कूल द्वारा देशभक्ति कार्यक्रम की प्रस?तुतियां की गई।कार्यक्रम में उपस्थित विशिष?ट अतिथि प्रेरणा महिला समिति अध्यक्ष नमिता नारायण,मुख्य महाप्रबंधक (उत ?पादन) के पी सिंह,उप महाप्रबंधक मानव संसाधन के एल नागवेणी,कमांडेंट सीआईएसएफ इंटक सचिव ए के सिंह,अध्यक्ष विनोद कश्यप,एसकेएमएस अध्यक्ष देवरायलु,एससी एसटी एसोसिएशन के पदाधिकारी,ऑफिसर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी,विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य कार्मिक विभाग के अधिकारी कर्मचारी व अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

दुर्ग जिला थोक उपभोक्ता भंडार में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

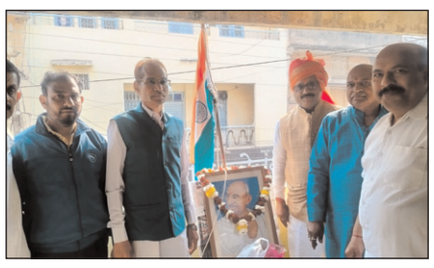

दुर्ग। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी दुर्ग जिला थोक उपभोक्ता भंडार में गरिमामय वातावरण में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था के अध्यक्ष विनोद ताम्रकार द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया एवं कर्मचारियों को मिठाई वितरण किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित नगर निगम सभापति श्याम शर्मा ने सभी कर्मचारियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वर्तमान समय में हम सभी का दायित्व है कि देश के गणतंत्र की रक्षा हेतु एकजुट होकर राष्ट्रहित में समर्पित भाव से कार्य करें। इस अवसर पर भाजपा नेता शिवराज राऊत, विजय ताम्रकार, रजनीश वैष्णव, सुरेश जैन, संजू गुप्ता, नरेंद्र ताम्रकार, प्रशांत अग्रवाल, चीनी दाऊ, किशोर जैन, निर्मत वर्मा, संस्था के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री चंद्राकर, वरिष्ठ पत्रकार पवन देवांगन, पुरेंद्र देशमुख, गोवर्धन यादव, लक्ष्मी यादव सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम देशभक्ति और उत्साह के वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

शहीद भगत सिंह विद्यालय में शहीदों की वीरता किए गए याद

दुर्ग। शहीद भगत सिंह विद्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। ध्वजारोहण उपरांत शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके वीरता को याद किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रशासकीय समिति अध्यक्ष बीके शुक्ला, एवं वरिष्ठ सदस्य श्री सुराना ने विद्यार्थियों को संविधान का महत्व बताया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक एस एन हरमुख एवं आभार प्रदर्शन प्राचार्य सीजी अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाओं के अलावा विद्यार्थी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

सांकरा में गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर प्रतिभावन छात्र छात्राओं का हुआ सम्मान

अम्लेश्वर : विकास खंड पाटन अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सांकरा में बहुत ही हर्ष उल्लास के साथ राष्ट्रीय पर्व 77 वीं गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया।सर्व प्रथम अतिथियों के द्वारा भारत माता की छाया चित्र पर माल्यार्पण कर महापुरुषों को नमन किया तत्पश्चात अतिथियों की उपस्थिति में एसएमडीसी अध्यक्ष सरपंच ग्राम पंचायत सांकरा के द्वारा राष्ट्रिय ध्वज तिरंगा को शान से फहराया।

युवा सरपंच रवि सिंगौर ने गणतंत्र दिवस की ध्वजारोहण कर अपने शुभकामना सन्देश में उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस, भारतीय संविधान के प्रति अखंड निष्ठा, स्वतंत्रता, समानता एवं भाईचारे के आदर्शों के प्रति अपनी आस्था को दोहराने तथा हम सबके भारतीय होने के गौरव को महसूस करने का अवसर है। लोकतांत्रिक लक्ष्यों को लोकतांत्रिक माध्यमों से तथा संवैधानिक लक्ष्यों को संविधान सम्मत साधनों से प्राप्त करना ही, हमारे गणतन्त्र की मूल आस्था है।

श्री सिंगौर ने कहा कि इस गणतंत्र दिवस पर हम सभी प्रदेशवासी छत्तीसगढ़ को प्रगति पथ में आगे ले जाने का प्रण लें जिसमें समाज के हर वर्ग का उत्थान हो और हम सब मिलकर छत्तीसगढ़ का सपना साकार कर सकें। इस लोकतंत्र को सशक्त बनाने और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए हम सभी छत्तीसगढ़ वासी प्रतिबद्ध हैं। तत्पश्चात छात्र छात्राओं के द्वारा मनमोहक सासंस्कृति प्रस्तुती दी गई।साथ ही प्रतिभावान छात्रों का प्रतिक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर उप सरपंच रामशरण बंधे सहित पंच गण और ग्राम वासी बड़ी संख्या में शामिल हुए।कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय के प्राचार्य के दिशानिर्देश के अनुसार शिक्षक शिक्षकों ने किया।उक्त जानकारी मीडिया को कामता प्रसाद सिंगौर ने दी है।

जीवन में मनुष्य माता-पिता का कर्ज नहीं उतार सकते है -प्रांशु कृष्ण शास्त्री

पाटन। ग्राम लोहरसी में नव दिवसीय संगीतमय श्री शिव महापुराण ज्ञानयज्ञ कथा का आयोजन हो रहा है। कथावाचक पंडित प्रांशू कृष्ण शास्त्री महाराज जी श्री धाम बृंदावन है। छठवें दिन की कथा में आज बड़े धूमधाम के साथ में गणेश कार्तिकेय जी का प्रगट उत्सव मनाया गया वृंदावन से पधारे पूज्य गुरुदेव प्रांशु कृष्ण शास्त्री जी ने बताया भगवान गणेश जी हम सबको जीवन में माता पिता की भक्ति सिखाया मार्गदर्शन किया विश्व में माता पिता में समस्त तीर्थों का वाश है । मातृ देवो भव पितृ देवो भव जीवन में मनुष्य माता-पिता का कर्ज नहीं उतार सकते है।

महाराज जी ने बताया बड़े-बड़े धनवान हुए लेकिन माता-पिता का कर्ज नहीं उतार सके महराज जी ने मार्गदर्शन किया कार्तिकेय जी क्रोंच पर्वत में स्थापित हुए भगवान शिव मां पार्वती आज भी कार्तिकेय जी से मिलने जाते है जो कि आज मल्लिकार्जुन के नाम से आज भी भगवान भोलेनाथ जी दर्शन लाभ प्राप्त कराते हैं।

शिव महापुराण कथा में मुख्य आयोजनकर्ता गणेश राम चंद्राकर, अहिल्या बाई चंद्राकर, नीता चंद्राकर, चंद्रशेखर चंद्राकर, पूर्णिमा चंद्राकर, गोलू चंद्राकर, मनीष चंद्राकर, के साथ हर्षा चंद्राकर पूर्व जनपद अध्यक्ष, लोकमनी चंद्राकर पूर्व मंडल अध्यक्ष, रज्जु सोनी, कमल चंद्राकर, शीतल चंद्राकर, संजय चंद्राकर, सुरेश चंद्राकर, त्रिभुवन देवांगन, महेश चंद्राकर, तुलसी चंद्राकर, धर्मेंद्र यादव,शत्रुहन, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर फ़िरोज़ नवाब ने जामपारा स्कूल के बच्चों को जूते-मोजे और तिरंगा बांटकर की सेवा

दंतेवाड़ा। बचेली के समाजसेवी और पूर्व पार्षद फ़िरोज़ नवाब ने गामावाड़ा के जामपारा स्कूल में पढ़ने वाले लगभग 80त्न बच्चों के नंगे पैर स्कूल आने की जानकारी मिलने पर जनसहयोग से जूते-मोजे वितरण का संकल्प लिया।

इस कार्य में सेवानिवृत्त शिक्षिका एलिजाबेथ लाल, पी.एल. कलिहारी, देवेंद्र प्रताप, जनाब शराफ़्त हुसैन, सुनील शार्दुल, मोहित तोमर, गौरव शर्मा सहित जगदलपुर के हाजी वसीम साहब का विशेष सहयोग मिला।

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर फ़िरोज़ नवाब ने अपनी पत्नी शबाना परवीन के साथ स्वयं बच्चों को जूते-मोजे पहनाए, भारतीय ध्वज प्रदान किए और गणतंत्र दिवस का महत्व समझाया।

कार्यक्रम में गामावाड़ा सरपंच सुनील भास्कर, प्रधानाध्यापिका नूरजहां बानो, शिक्षक बी. प्रदीप कुमार, आरती भास्कर, श्रीमती संगीता बघेल, सुश्री संगीता नेताम, दीपिका कुंजाम, राजो भास्कर और शाहीन पम्मी उपस्थित रहे। यह सेवा कार्य समाज में सराहना का विषय बना, जैसा कि पहले भी फ़िरोज़ नवाब ने अपनी पुत्री आरज़ू के जन्मदिन पर डी.एन.के. स्कूल के बच्चों को जूते वितरित कर प्रशंसा प्राप्त की थी। हाजी वसीम साहब ने कहा कि खिदमत-ए-खल्क का इससे बड़ा कार्य नहीं हो सकता, और सभी को ऐसे प्रयासों को बढ़ावा देना चाहिए।

एनएमडीसी, बचेली में गणतंत्र दिवस का आयोजन

दंतेवाड़ा बचेली। गणतंत्र दिवस के अवसर पर बीआईओएम बचेली कॉम्प्लेक्स में भव्य कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ। परियोजना के केवी मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परियोजना प्रमुख श्रीधर कोडाली, मुख्य महाप्रबंधक ने झंडा फहराया एवं परेड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर परियोजना में स्थित विभिन्न विद्यालयों की ओर से मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की गई। सभी विद्यालयों के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के अंतर्गत समूह नृत्य और पीटी अर्थात शारीरिक अभ्यास प्रस्तुत किया। साथ ही महिला एवं पुरुष दोनों वर्गों के लिए म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परियोजना की विभिन्न सांस्कृतिक समितियों ने स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल भी लगाए। मुख्य अतिथि परियोजना प्रमुख श्रीधर कोडाली, मुख्य महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए एनएमडीसी बचेली की उपलब्धियों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत की विकास यात्रा में पर्यावरण हितैषी खनिक के रूप में एनएमडीसी का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि भविष्य में भी एनएमडीसी अपने उत्पादन और सीएसआर प्रकल्पों के माध्यम से भारत की विकास यात्रा में अपना महत्वपूर्ण योगदान देती रहेगी। इस कार्यक्रम में बीआईओएम बचेली के विभिन्न विभागाध्यक्षगण, श्रमिक संघों के पदाधिकारीगण, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं बचेली नगरवासियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सामुदायिक भवन मे धार्मिक संगठन का कब्जा, लोग हलाकन

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले मे कलेक्टर कार्यालय के पीछे सरकारी भवन मे एक कथित हिन्दू वादी संगठन के कुछ लोगो ने बलात रूप से ताला तोड़कर कब्जा जमा कर लिया । जिसको लेकर आम लोगो मे आक्रोश व्याप्त हैं। लोगो ने बताया की यह ग्रामीणों को शादी विवाह,संस्कृतिक आयोजना के लिए बनाया गया सामुदायिक भवन हैं इसमें ऐसे कैसे कोई भी संगठन या पार्टी का कब्जा किया सकता हैं।

मामला हैं डोंगरी गांव पंचायत अंतर्गत सांसद व विधायक मद से लगभग 12 लाख की लागत से पंडित दिनदयाल उपाध्याय सामुदायिक भवन का निर्माण किया गया था। भवन बनने के बाद से इस भवन मे कई सर्वजनिक कार्यक्रम होते आये हैं। अचानक ही शहर के एक धार्मिक संगठन ने उस भवन का ताला तोड़कर उसमे अपना कब्जा जमा लिया। संगठन का बडा सा बोर्ड तक लगा कर तथाकथित कुछ लोगो द्वारा भंवन पर एकाधिकार जमा लिया गया । भवन मे कब्जा को लेकर जब संगठन के पदाधिकारी से बात किया गया तो इस सम्बन्ध उनके पास कोई जवाब ही नहीं था। उनके पास इस भवन मे कब्जे को लेकर न तो ग्राम पंचायत ने कोई आधिकारिक आदेश दिया हैं और न ही प्रशासन ने इसको यह भवन देने के लिए कोई स्वीकृति प्रदान की हैं। प्रशासन मे इस संबध मे जानकारी लेने पर प्रशासन ने अनभिज्ञता जताते हुए कहा की ऐसी हरकतो से कड़ाई से निपटा जायेगा।

इस सम्बन्ध मे विहिप के जिला अध्यक्ष प्रकाश निर्मलकर से चर्चा की गई तो बताया की भाजपा कार्यालय था पर किसी ने हमको हेंडओवर नहीं किया हैं।

भाजपा के एक जिम्मेदार पदाधिकारी से चर्चा मे बताया की इसकी चाबी हमारे पास थी समय समय पर लोगो के आयोजन पर उसे शादी ब्याह जैसे आयोजनो मे दिया जाता था पर यह लोग तो चाबी भी नहीं ले गए और ताला तोड़ दिए।

अनुविभागीय अधिकारी सुश्री हितेश्वरी बांधे से चर्चा पर उन्होंने ने जानकारी लेकर बताने की बात कहते हुऐ कहा की ग्राम पंचायत को हेंडओवर किया जाएगा।

ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल, बनारी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस एकता में विविधता थीम पर आधारित रहा भव्य आयोजन

जांजगीर-चांपा। ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर में संस्था संचालक श्री आलोक अग्रवाल, डॉ. गिरिराज गढ़ेवाल एवं प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह जी निर्देशन में दिनांक-26 जनवरी 2026 को 77वां गणतंत्र दिवस अत्यंत गरिमा, उल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर देशभक्ति के रंग में सराबोर नजर आया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में श्री लोकेश राठौर (जिला पंचायत सदस्य, जांजगीर) विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती बबीता धानुका, श्री विष्णु धानुका, डॉ. संदीप साहू, डॉ. सतीष समदर्शी, डॉ. ज्ञानेश तिवारी, श्रीमती रेणुका गढ़ेवाल, श्रीमती प्रणिता अग्रवाल शामिल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर, भारत माता, महात्मा गांधी के तैल्य चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर एवं राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुआ, जिसमें उपस्थित विद्यार्थियों, शिक्षकों, अतिथियों एवं अभिभावकों ने राष्ट्रीय गान के माध्यम से भारत माता के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की शिक्षिका मनदीप कौर द्वारा संविधान की प्रस्तावना के भावपूर्ण पाठ से हुई, जिसने सभी को भारतीय संविधान के मूल मूल्योंकृन्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्वकृकी याद दिलाई। इसके पश्चात कार्यक्रम की थीम न्दपजल पद क्पअमतेपजल (एकता में विविधता)卐 का प्रभावशाली परिचय प्रस्तुत किया गया, जिसमें भारत की सांस्कृतिक, भाषाई एवं धार्मिक विविधता को एकता के सूत्र में पिरोकर दर्शाया गया। स्पोर्ट्स टीचर सुश्री यामिनी गंर्धव के निर्देशन में कक्षा 3 से 7 तक के विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक पीटी ड्रिल का प्रदर्शन किया गया। विद्यार्थियों की अनुशासनबद्ध प्रस्तुति, तालमेल और शारीरिक दक्षता ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। तत्पश्चात संस्था की शिक्षिका कोनिका दास द्वारा प्रस्तुत भारत दर्शन कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों की संस्कृति, वेशभूषा और परंपराओं का सुंदर चित्रण किया गया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विद्यालय के कोयर ग्रुप द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत ने वातावरण को और भी मधुर बना दिया। इसके पश्चात कक्षा 3 के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत देशभक्ति नृत्य प्रस्तुत किया, जिसने सभी के हृदय में देशप्रेम की भावना जागृत कर दी। विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सम्मानित करने हेतु 2016 से 2026 तक लगातार अध्ययनरत विद्यार्थी मैं से यश साहू, माही साहू, अंशिका अग्रवाल, सिमरन सिंह, आव्या अग्रवाल, अदिति राठौर, दिव्य अग्रवाल, अन्वेशा तिवारी, भाविका नय्यर, दिव्यांश तिवारी, प्रसन्न मोदी, उजैर अंसारी को सम्मान प्रदान किया गया। इसके बाद श्रेयम राठौर द्वारा प्रस्तुत एकल देशभक्ति गीत ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। संस्था संचालक डॉ. गिरिराज गढ़ेवाल द्वारा संस्था को संबोधित करते हुए कहा गया कि ब्रिलियंट के विद्यार्थियों में भिन्न-भिन्न प्रकार की प्रतिभा छिपि हुई है साथ ही ब्रिलियंट परिवार से जुडने पर हर्ष भी व्यक्त किया। विद्यालय की प्राचार्या महोदया ने अपने आशीर्वचन में विद्यार्थियों को संविधान के आदर्शों पर चलने, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के साथ जीवन जीने की प्रेरणा दी। इसके पश्चात कक्षा 11 की छात्रा आराध्या एवं संस्था की शिक्षिका श्रीमती हन्ना देवी द्वारा प्रस्तुत हिंदी भाषण में गणतंत्र दिवस के महत्व और नागरिक कर्तव्यों पर प्रकाश डाला गया। मुख्य अतिथि श्री लोकेश राठौर द्वारा संबोधित करते हुए गणतंत्र दिवस की बधाई दी गई। डॉ. संदीप साहू द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि आज आप बच्चों को देखकर मुझे अपने बचपन के दिन याद आ गए, साथ ही उन्होंने देशभक्ति गीत भी गाया। डॉ. सतीष समदर्शी एवं डॉ. ज्ञानेश तिवारी द्वारा गणतंत्र दिवस की बधाईयाँ दी गई। इसके बाद प्रसन्न मोदी द्वारा प्रस्तुत एकल गीत गाया गया। विद्यालय स्टाफ के लिये नाइस स्टोन आफ बी पी एस जॉजगीर की श्रेणी में स्कूल की प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह एवं उप-प्राचार्या श्रीमती भिष्मिता साहू, एवं 2016 से 2026 तक की श्रेणी में जरनी आफ बी पी एस जॉजगीर सनत कुमार सूर्यवंशी, प्राची पाठक, एवं प्राउड टीचर की श्रेणी में श्रीमती मनदीप कौर, नीलम सिंह, सरिता प्रधान, शीतल राठौर, सीमा पाण्डेय, विजयलता राठौर, योगेश देवांगन और स्वरूप रंजन करना रहे। और ग्रुप डी स्टॉफ से अनिता चौहान, संगीता कश्यप, द्वारिका राठौर इत्यादि शिक्षकों एवं कर्मचारियों के स्कूल में उनके समर्पण को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में हेमंत गंधर्व द्वारा प्रस्तुत एकल गीत ने सभी को भावविभोर कर दिया। इसके बाद कक्षा 6 से 9 तक के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत वाद्य यंत्रों पर देशभक्ति संगीत ने माहौल को देशभक्ति भावना से भर दिया।

खबर-खास

जिला पंचायत में अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज

मुंगेली(समय दर्शन)जिले में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास और गौरवपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इसी कड़ी में जिला पंचायत परिसर में आयोजित समारोह में अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और गणतंत्र दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। अध्यक्ष श्री पाण्डेय ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान के मूल्यों, लोकतांत्रिक परंपराओं और राष्ट्रीय एकता के प्रति निष्ठा बनाए रखने का संदेश दिया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पाण्डेय ने 26 जनवरी गणतंत्र दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान जनप्रतिनिधिगण और अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स ने छत्तीसगढ़ में अपनी उपस्थिति बढ़ाई, अम्बिकापुर में नया स्टोर लॉन्च

अम्बिकापुर: भारत की सबसे भरोसेमंद और प्रमुख ज्वैलरी रिटेल चेन में से एक, सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स, ने अम्बिकापुर में अपना पहला स्टोर लॉन्च किया है। यह छत्तीसगढ़ में कंपनी का चौथा आउटलेट है और इस विस्तार से सेन्को का उद्देश्य उभरते बाजारों में विश्व-स्तरीय ज्वैलरी और बेहतरीन शॉपिंग अनुभव लाना और मजबूत करना है। अम्बेडकर चौक, बनारस रोड पर स्थित नया 3,760 वर्ग फुट का स्टोर ग्राहकों को एक शानदार और इमर्सिव शॉपिंग अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। स्टोर में सेन्को के विभिन्न कलेक्शंस उपलब्ध हैं, जिनमें रोज़मर्रा पहनने के लिए हल्की ज्वैलरी से लेकर भव्य शादी और अवसरों के लिए गोल्ड, डायमंड, प्लेटिनम और सिल्वर की भव्य ज्वैलरी शामिल है। ये डिज़ाइन पारंपरिक शिल्पकला और आधुनिक शैली का सुंदर मिश्रण प्रस्तुत करते हैं। जोइटा सेन, डायरेक्टर, सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स ने कहा हमें खुशी है कि हम सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स की 85 साल की विश्वास और शिल्पकला की विरासत को अम्बिकापुर में पेश कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ हमारे लिए एक मजबूत विकास बाजार रहा है, और इस लॉन्च के माध्यम से हम ग्राहकों के साथ अपने संबंधों को और गहरा कर सकते हैं और उनके सबसे खास पलों का हिस्सा बन सकते हैं। सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स के छत्तीसगढ़ में स्टोर बिलासपुर और रायपुर में भी स्टोर स्थित हैं। भारत में इसका नेटवर्क लगभग 200 स्टोरों के साथ तेजी से बढ़ रहा है, साथ ही कंपनी की अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति दुबई में भी है।

म्यूजिक के माध्यम से लोगों तक पहुंचने के लिए ब्रिजस्टोन इंडिया ने पंजाबी स्टार परमिश वर्मा से मिलाया हाथ

चंडीगढ़: ब्रिजस्टोन इंडिया ने पंजाब के लोकप्रिय गायक, अभिनेता एवं यूथ आइकॉन परमिश वर्मा के साथ साझेदारी का एलान किया है। यह साझेदारी प्रमुख क्षेत्रीय बाजारों में उपभोक्ताओं के साथ अपने जुड़ाव को मजबूती देने की कंपनी की विशेष रणनीति का हिस्सा है। उत्तर भारत में मजबूत सांस्कृतिक पहचान बन चुके परमिश वर्मा सिर्फ लोकप्रिय और प्रामाणिक आवाज ही नहीं हैं, बल्कि वह ऑटोमोबाइल को लेकर अपने उत्साह के लिए भी जाने जाते हैं। कार को लेकर अपनी दीवानगी के लिए मशहूर परमिश की सुरक्षित मोबिलिटी और ड्राइविंग को लेकर व्यक्तिगत रुचि ने उन्हें ब्रिजस्टोन का स्वाभाविक सहयोगी बनाया है। वह परफॉर्मेंस (प्रदर्शन), रिलायबिलिटी (विश्वसनीयता) और सेफ्टी (सुरक्षा) को लेकर ब्रिजस्टोन के मूल्यों के अनुरूप हैं। उत्तर भारत ब्रिजस्टोन इंडिया के विकास में महत्वपूर्ण कड़ी है। यहां बढ़ती वाहन खरीद और युवा एवं महत्वाकांक्षी कंज्यूमर बेस से कंपनी को सपोर्ट मिला है। इस क्षेत्र में ब्रांड्स के प्रति उपभोक्ताओं के रुझान को बढ़ाने में संगीत एवं लोकप्रिय सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शक्तिशाली भूमिका निभाती हैं और इसे देखते हुए परमिश वर्मा को अपने साथ जोड़ना एक व्यावहारिक और प्रभावशाली कदम है। इस साझेदारी के तहत परमिश वर्मा एक आर्टिस्ट के तौर पर ब्रिजस्टोन इंडिया के साथ मिलकर काम करेंगेऔर कुछ खास कैंपेन के लिए म्यूजिक पर आधारित कहानियां और सोशल मीडिया कंटेंट डेवलप करेंगे। इस साझेदारी को लेकर ब्रिजस्टोन इंडिया के सेल्स एवं मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री राजीव शर्मा ने कहा, 'उत्तर भारत हमारे लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बाजार है। परमिश वर्मा की विश्वसनीयता और श्रोताओं के साथ गहरा जुड़ाव उन्हें ब्रिजस्टोन को रिप्रजेंट करने के लिए आदर्श साथी बनाता है। इस साझेदारी से हमें नए, प्रेरणादायक और भरोसेमंद अनुभव चाहने वाले युवाओं के साथ सार्थक तरीके से जुड़ने में मदद मिलेगी।'

नोडल-पटवारी की चूक का खामियाजा किसान को, धान बेचने बोरिया-बिस्तर लेकर मंडी में डटा किसान

सारंगढ़ सरिया -टारजन महेश (समय दर्शन) में धान खरीदी व्यवस्था की अव्यवस्थाओं का खामियाजा एक बार फिर निर्दोष किसान को भुगतना पड़ रहा है। अपनी उपज बेचने के लिए किसान दर-दर भटकने को मजबूर है, जबकि गलती प्रशासनिक अमले की बताई जा रही है।

मामला सरिया के समीप लुकापारा धान मंडी पोरथ गांव निवासी किसान ललित प्रधान से जुड़ा है। किसान को पहले यह कहकर रोका गया कि घर जाकर धान का भौतिक सत्यापन किया जाएगा, उसके बाद ही टोकन कटेगा। किसान ने बताया कि पटवारी द्वारा 20 जनवरी को घर भौतिक सत्यापन किया गया, जिसमें 47 क्विंटल धान पाया गया। उसी दिन किसान को समिति भेजकर टोकन कटवाने को कहा गया और 22 जनवरी को धान लाने की तिथि तय की गई।

तब जाकर किसान सुबह 22 जनवरी को धान लेकर समिति पहुंच गया, लेकिन उसी दिन दोबारा भौतिक सत्यापन के लिए पटवारी सुनील ओगरे किसान के घर पहुंचा। किसान के अनुपस्थिति में दुबारा सत्यापन किया गया खाने के लिए रखे केवल 20 बोरी धान को

उपलब्ध बताकर शेष धान को फ्रिजेक्टफ्र कर दिया गया, जबकि उस समय किसान स्वयं

धान लेकर मंडी में मौजूद था।- इस दोहरी कार्यवाही और आपसी तालमेल की कमी के कारण किसान का धान खरीदा नहीं गया। 22 जनवरी से अब तक किसान समिति, पटवारी, नोडल अधिकारी और एसडीएम कार्यालय के चक्कर काट चुका है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ।

बताया जा रहा है कि किसान अकेला रहता है और लगातार परेशान होने के कारण वह अब लुकापारा उपार्जन केंद्र में बोरिया-बिस्तर लेकर डेरा डालकर बैठा है।

कई सवाल खड़े- सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब नोडल अधिकारी द्वारा पहले ही भौतिक सत्यापन कराया जा चुका था, तो दोबारा सत्यापन क्यों कराया गया?

क्या यह लापरवाही है या किसान को जानबूझकर परेशान किया जा रहा है? क्या धान खरीदी से बचने के लिए नियमों का दुरुपयोग हो रहा है?

अधिकारियों से संपर्क नहीं- मामले में प्रतिक्रिया के लिए नोडल अधिकारी मीडिया को देखकर समिति से चुपचाप निकल गए और फोन कॉल भी नहीं उठाया। वहीं तहसीलदार सरिया के फील्ड में होने की जानकारी दी गई, दूरभाष पर संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे भी बात नहीं हो सकी।

अब देखने वाली बात यह होगी कि इस मामले में लापरवाही बरतने वाले नोडल अधिकारी और पटवारी पर प्रशासन क्या कार्रवाई करता है, या फिर किसान इसी तरह व्यवस्था की मार झेलता रहेगा।

आपसी संघर्ष में बाघ की मौत, पोस्टमार्टम की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

मुंगेली(समय दर्शन)। अचानकमार टाइगर रिजर्व अंतर्गत अचानकमर परिक्षेत्र के सारसडोल परिक्षेत्र में 25 जनवरी को एसटीपीएफ की नियमित पेट्रोलिंग के दौरान एक नर बाघ मृत अवस्था में पाया गया। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की मानक कार्यप्रणाली के अनुरूप गठित शव परीक्षण समिति की उपस्थिति में 26 जनवरी को मृत बाघ का पोस्टमार्टम किया गया। शव परीक्षण एवं पंचनामा रिपोर्ट के अनुसार बाघ के सभी अंग सुरक्षित पाए गए। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि मृत नर बाघ की गर्दन की हड्डी टूटी हुई थी तथा गर्दन के निचले हिस्से में अन्य नर बाघ के दांतों के स्पष्ट निशान पाए गए।

जांच दल को घटनास्थल पर आपसी क्षेत्रीय संघर्ष के भी पुख्ता साक्ष्य मिले, जिनमें टूटी हुई झाड़ियाँ, बाघ का मल, खरोंच के निशान तथा बालों की उपस्थिति शामिल है। इसके अतिरिक्त मृत बाघ के पंजों एवं नाखूनों में भी दूसरे बाघ के बाल पाए गए। इन तथ्यों से यह पुष्टि हुई कि

लगभग दो वर्ष आयु के नर बाघ की मृत्यु दो बाघों के बीच हुए आपसी संघर्ष के कारण हुई। घटना में शामिल दूसरे बाघ की पहचान कर ली गई है, जिसकी कैमरा ट्रैप और फील्ड ट्रैकिंग के माध्यम से सतत निगरानी की जा रही है। पोस्टमार्टम उपरांत शव दहन की प्रक्रिया पूर्ण की गई।

इस संपूर्ण कार्यवाही के दौरान एनटीसीए प्रतिनिधि, मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक के प्रतिनिधि, वन्यजीव विशेषज्ञ, पशु चिकित्सक दल, अचानकमार टाइगर रिजर्व के अधिकारी-कर्मचारी तथा संबंधित परिक्षेत्र के वन अमले की उपस्थिति रही। वन विभाग के अनुसार यह घटना बाघों की आबादी वाले क्षेत्र में सामान्य क्षेत्रीय व्यवहार को दर्शाती है। अचानकमार टाइगर रिजर्व में अनुकूल आवास, कान्हा-बांधवगढ़ कॉरिडोर से प्राकृतिक आवागमन तथा सफल प्रजनन के चलते बाघों की संख्या में वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा एवं आपसी संघर्ष की घटनाएं स्वाभाविक रूप से सामने आती हैं।

मूनलाईट इंग्लिश मीडियम हाई स्कूल में वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता संपन्न

रायपुर। मूनलाईट शिक्षण समिति शंकर नगर रायपुर द्वारा संचालित भारतीयम हायर सेकंडरी स्कूल एवं मूनलाईट इंग्लिश मीडियम हाई स्कूल में आयोजित वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि पुरंदर मिश्रा विधायक उत्तर रायपुर अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव अध्यक्ष छ.ग. नागरिक आपूर्ति निगम

विशिष्ट अतिथि राजेश गुप्ता पार्षद, अनूप खेलकर भाजपा जिला कार्यालय मंत्री,श्रीधर दीवान एवं श्रीमती विद्या सक्सेना प्राचार्य शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शांति नगर के आतिथ्य में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर बिहारी राम वर्मा,डी.आर.साहू, दिलीप धनगर शाला परिवार

समिति अध्यक्ष संजय चौबे, शाला संचालक सुधीर कुमार चौबे, प्राचार्य द्वय गोमती साहू,ललिता दास, जीवराखन

महानंद,शिक्षकों में प्राची मिश्रा,रूबी बिलको, उर्मिला सोनबेर,डाली धुरंधर, निर्मला साहू, सुनिता गिरूलकर, मिथलेश वर्मा, रीना दास,गनेश्वरी निषाद,संगीता वर्मा , मंदाकिनी निषाद,अल्का नागरिया,मोहन राव,विजय दुबे, अमृता कुर्रे,किरण बंजारे, मिथलेश वर्मा,डाकेश्वरी पाठक,अंजूलता ठाकुर,श्रद्धा शर्मा, मनीषा उकंडे, अनिता काटेवार,पूनम कश्यप, एलिसा हियाल,मीना जोशी, दुर्गा कलेट, दीपिका शुक्ला,शशिकला ठाकुर, सारिका वर्मा कल्पना चुड़ामल, प्रियंका रात्रे,सपना रात्रे,, रश्मि वर्मा,पार्वती राव,खुशी राव,गुंजा यादव, लक्ष्मी राव,रवना राव, रूखमणी,गुंडाधुर तांडी एवं पालक गण उपस्थित थे३

नगर पंचायत सरगाँव में गौठान बनने से पशुओं से होने वाले हादसे घटे

पशुओं को मिल रहा सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण

मुंगेली(समय दर्शन)छत्तीसगढ़ शासन की दूरदर्शी नीतियों और स्थानीय सहभागिता से नगर पंचायत सरगांव क्षेत्र में विकसित शहरी गौठान से जहां एक ओर पशुओं से होने वाले हादसे घटे हैं। वहीं दूसरी ओर गौठान में पशुओं को सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण मिल रहा है। शासन द्वारा स्वीकृत 19 लाख रुपये की राशि से नगर के वार्ड क्रमांक 02 में लगभग 03 एकड़ क्षेत्रफल में इस गौठान का निर्माण किया गया, जिसने न केवल पशु-संरक्षण को सुदृढ़ किया, बल्कि सामाजिक सहभागिता और जनकल्याण का भी नया अध्याय जोड़ा। गौठान निर्माण के दौरान तय मानकों के अनुरूप शेड, कोटना एवं पेयजल व्यवस्था हेतु बोर खनन जैसे आवश्यक कार्य संपादित किए गए, जिससे पशुओं के लिए सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण सुनिश्चित हुआ। वर्तमान में इस गौठान का संचालन समिति के सदस्यों द्वारा किया जा रहा है, जिसमें समिति के 25 सक्रिय सदस्य, विशेषकर युवा साथी, पूरी निष्ठा से सेवा कार्य में जुटे हुए हैं।

नगर पंचायत के सीएमओ ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग एवं नगर क्षेत्र की सड़कों पर विचरण करने वाले लगभग 270 बेसहारा गौवंश को इस गौठान में सुरक्षित रखकर उनकी नियमित देखभाल की जा रही है। इससे न केवल पशुओं को संरक्षण मिला है, बल्कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में भी उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है, जो इस पहल की सामाजिक उपयोगिता को रेखांकित करती है। नगर पंचायत सरगांव द्वारा बाउंड्री हेतु लगाई गई जाली तार एवं समय-समय पर किए जा रहे रखरखाव कार्यों से गौठान की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हुई है। गौवंश के चारे की व्यवस्था नगर के जनप्रतिनिधियों, कार्यालय स्टाफ तथा सेवा समिति के सदस्यों के सहयोग से की जाती है। गौवंश के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते पशु चिकित्सालय से तुरंत संपर्क कर उपचार उपलब्ध कराया जाता है। इसके अतिरिक्त, नगर के हाट बाजारों एवं आसपास की सब्ज़ी मंडियों से फ्ल-सब्ज़ियाँ लाकर संतुलित आहार की व्यवस्था भी नियमित रूप से की जाती है।

गौ सेवा करते हुए गोबर और गौ मूत्र से बने उत्पादों का उपयोग के प्रेरणाश्रोत बने ग्राम रजकम्मा निवासी गौ पालक गणेश शर्मा

गौ वंश संरक्षण और गोबर से बने उत्पादों को बढ़ावा देने हेतु निरंतर प्रयासरत्त

कोरबा (समय दर्शन)। देशी गाय के गोबर और गौमूत्र से बने उत्पाद (खाद, दीये, अगरबत्ती) ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार का माध्यम बन रहे हैं, साथ ही जैविक खेती को बढ़ावा देकर पर्यावरण की रक्षा कर रहे हैं। गौपालन कर रहे लोग गोबर से वर्मी कम्पोस्ट, प्राकृतिक कीटनाशक और अन्य उत्पाद बनाकर स्थायी आय और गोवंश संवर्धन में योगदान दे रहे हैं। इसी कड़ी में कोरबा जिले के ग्राम रजकम्मा (मदनपुर) निवाशी गणेश शर्मा जी लगभग 40 वर्षों से गौ पालक के रूप में गौ सेवा में निरंतर लगे हुए है।

देसी गाय के गोबर से बने उत्पादों से बेरोजगारों को आय का स्रोत और पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लेकर प्रकृति और पर्यावरण के साथ कृत्रिम खेती में भी अपना योगदान दे रहे हैं । गौ माता की संरक्षण और संवर्धन को ध्यान में रखकर गोबर से बने उत्पादों को आगे बढ़ने का जज्बा लिए 40 वर्षों से गौ पालक बने गणेश शर्मा जी का कहना है

प्रकृति और पर्यावरण को सुरक्षित रखने जिस प्रकार राम सेतु में गिलहरी का जो सहयोग रहा ठीक वैसा ही विचार रख कर गौ माता जी का सेवक बन कर , गोबर का उत्पाद बनाते हुए गोबर और गौ मूत्र से प्रकृति और पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संकल्प लिए अपनी विचार धारा में गौ माता की सेवा के साथ साथ बेरोजगार भाई बहनों के स्वयं का रोजगार स्थापित करना हमारा मुख्य उद्देश्य है *

साथ ही रजकम्मा निवासी गौ पालक गणेश शर्मा जी का यह कहना भी है कि गोबर से बने हुए कई उत्पादों की ट्रेनिंग लेकर वह उत्तराखंड से पुष्पक सिंह धामी सरकार से प्रारंभिक दौर में उनके प्रशिक्षक धीरज चौधरी जी के सानिध्य में गोबर से बने उत्पादों जैसे कि दीपक,हवन लकड़ी , धूप बत्ती, उपले, देवी देवताओं की मूर्ति आदि बनना सिखाया गया है और कृषक भाइयों के लिए आर्गेनिक खाद्य का प्रशिक्षण आदि प्राप्त कर चुके है और अपने निवास स्थान ग्राम रजकम्मा में गोबर से बने उत्पाद तैयार कर पर्यावरण और गौ वंश संरक्षण में अपना प्रमुख योगदान दे रहे है। उनका संपर्क नम्बर 9302892174 .

उनके द्वारा गोबर से बने उत्पादों को निर्मित कर उसके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और स्वरोजगार के विषय को लेकर मुख्य रूप से कार्य रहे है। जैसे इसके फायदे निम्न प्रकार से हमें प्राप्त होता है -:

गोबर से बने उत्पादों से आय का स्रोत और आत्मनिर्भरता: गोबर से वर्मी कम्पोस्ट (केंचुआ खाद) बनाकर किसान ?8- ?15 प्रति किलो की दर से बेच रहे हैं, जो उनकी आय का एक अच्छा जरिया है। गोबर से बने उत्पाद जैसे उपले, दीपक, और अन्य धार्मिक वस्तुएं भी लोकप्रिय हो रही हैं।

पर्यावरण की रक्षा: रासायनिक खादों की जगह गोबर की खाद का उपयोग करने से मिट्टी की उर्वरता में सुधार होता है और पर्यावरण प्रदूषण कम होता है। यह टिकाऊ खेती के लिए एक अच्छा विकल्प है।

गोवंश संरक्षण: गाय के गोबर और गौमूत्र का व्यावसायिक उपयोग करके किसान गायों को पालने के लिए प्रोत्साहित हो रहे हैं, जिससे गोवंश का संवर्धन (संरक्षण और विकास) हो रहा है।

कृत्रिम और प्राकृतिक खेती में योगदान: गोबर और गौमूत्र से जीवामृत (natural liquid fertilizer) और पंचगव्य जैसे उत्पाद बनाकर, यह जैविक खेती को बढ़ावा दे रहे हैं, जो स्वास्थ्य के लिए भी बेहतर है।

अनुभव और समर्पण: 40 वर्षों से अधिक समय से गौपालन करने वाले लोग अब इन उत्पादों के माध्यम से न केवल पारंपरिक ज्ञान को आगे बढ़ा रहे हैं, बल्कि इसे आत्मनिर्भर भारत के मिशन से भी जोड़ रहे हैं।

आंजनेय विश्वविद्यालय और अपोलो हेल्थकेयर अकादमी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

रायपुर। आंजनेय विश्वविद्यालय ने अलाईड हेल्थ साइंसेज में स्नातक कार्यक्रम सामूहिक रूप से संचालित करने के लिए अपोलो हेल्थकेयर अकादमी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह भारत और वैश्विक स्तर पर कुशल अलाईड हेल्थकेयर पेशेवरों की बढ़ती कमी को दूर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह रणनीतिक साझेदारी आंजनेय विश्वविद्यालय के आधुनिक शैक्षणिक बुनियादी ढांचे और अपोलो हेल्थकेयर अकादमी के मजबूत नैदानिक (क्लिनिकल) कौशल को एक साथ लाती है, ताकि ऐसे ग्रेजुएट प्रोग्राम प्रदान किए जा सकें जो शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ गहन अस्पताल-आधारित प्रशिक्षण का मेल कराते हों। यह कार्यक्रम एनेस्थीसिया और ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी, मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी, क्रिटिकल केयर टेक्नोलॉजी और आज के स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र के लिए आवश्यक अन्य अलाईड हेल्थ विषयों जैसे उच्च-मांग वाले विशेषज्ञताओं पर केंद्रित होंगे।

अपोलो नॉलेज के सीईओ शिवरामकृष्णन वेंकटेश्वरन ने कहा,अपोलो हेल्थकेयर अकादमी कक्षा की शिक्षा और अस्पताल के अभ्यास के बीच की खाई को पाटने के लिए प्रतिबद्ध है। यह साझेदारी छात्रों को भारत के साथ-साथ वैश्विक अवसरों में फ्लने-फूलने के लिए आवश्यक आत्मविश्वास, एक्सपोजर और कौशल प्रदान करेगी। यह हमारे वैश्विक कार्यबल विकास पहलों का हिस्सा है ताकि अगली पीढ़ी के स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों का निर्माण और सशक्तिकरण किया जा सके जो दुनिया भर की स्वास्थ्य प्रणालियों में सार्थक योगदान देने के लिए सुसज्जित हों।नेशनल कमीशन फॉर अलाईड एंड हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार किया गया यह पाठ्यक्रम राष्ट्रीय नियामक अनुपालन और वैश्विक मान्यता सुनिश्चित करता है। छात्रों को अपोलो हॉस्पिटल्स और संबद्ध स्वास्थ्य सुविधाओं में संरचित क्लिनिकल रोटेशन का लाभ मिलेगा, जिसमें एक व्यापक अंतिम-वर्ष की इंटर्नशिप शामिल है जो उन्हें वास्तविक दुनिया के नैदानिक वातावरण के लिए तैयार करती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा रेखांकित अंतर्दृष्टि सहित दुनिया भर की स्वास्थ्य प्रणालियाँ अलाईड हेल्थ पेशेवरों की तीव्र कमी का सामना कर रही हैं—एक ऐसा अंतर जिसके जनसंख्या के बढ़ने और स्वास्थ्य सेवा की मांग में वृद्धि के साथ और अधिक बढ़ने की उम्मीद है। यह पहल सीधे तौर पर इस चुनौती का समाधान करती है, ऐसे स्नातकों को तैयार करके जो कुशल, आत्मविश्वासी और पहले दिन से योगदान देने के लिए तैयार हों।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रिसाली
रिसाली सेक्टर बी.एस.पी. स्कूल नं.-35, पिन-490006
website:-risali.urbanecg.gov.in

क्रं./लो.क्र.वि./2026/2211 रिसाली, दिनांक 27.01.26

// ई-निविदा निरस्त सूचना //

नगर पालिक निगम रिसाली कार्यालय हेतु वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्लेसमेंट श्रमिक प्रदाय कार्य हेतु दिनांक 19.01.2026 को ई-निविदा सिस्टम क्रं. 184068 आमंत्रित किया गया है। उपरोक्त कार्य हेतु निविदा नियम-शर्तों में त्रुटि होने के कारण ई-निविदा सिस्टम क्र.184068 को निरस्त किया जाता है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम
रिसोली

26 जनवरी गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

कन्हैयालाल यदु

महामंत्री चैतमा मंडल (भाजपा)

26 जनवरी गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

चंद्रभवन सिंह टेकाम

(ब्लॉक अध्यक्ष)गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ब्लॉक पाली, जिला कोरबा (छत्तीसगढ़)

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित कोरकोमा, जिला कोरबा छत्तीसगढ़ के समस्त कर्मचारी एवं समिति प्रबंधन के तरफ से गणतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं....

26 जनवरी गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

दीपक महंत

ब्यूरोचिफ कोरबा

समय दर्शन

कोरबा छत्तीसगढ़

समस्त क्षेत्रवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

गोपीनाथ

पार्षद वार्ड क्रमांक 06

नगरपालिका परिषद किरन्दुल

समस्त क्षेत्र वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

सौजन्य - जमील खान

कंस्ट्रक्शन, किरंदुल

क्षेत्रवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

K. A. PAPPACHAN
Managing Director

JOVINS PAPPACHAN
Director

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

विनीत

आशुतोष मांडवा

वन परिक्षेत्र अधिकारी बचेली

विकास विश्वास सुरक्षा

गणतंत्र दिवस 2026 के पावन पर्व पर

समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

संदेश

1. देश की रक्षा के लिए पुलिस का सहयोग करें तथा कानून का पालन करें।
2. आपराधिक, असामाजिक एवं अलोकतांत्रिक लोगों के बहकावे में आकर अपना जीवन बर्बाद न करें।
3. माओवादी हिंसा त्याग कर आत्मसमर्पण कर समाज के मुख्यधारा में शामिल होकर क्षेत्र एवं राज्य के विकास में भागीदार बनें।

माओवादियों से अपील

हिंसा त्याग कर आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हो और शासन के पुनर्वास योजना के तहत् नौकरी, घर एवं खुशहाल पारिवारिक जीवन का लाभ लें।

क्र.	धारित पद	छत्तीसगढ़ शासन द्वारा माओवादियो पर घोषित ईनाम राशि
1.	DKSZC सदस्य	25 लाख रूपये
2.	मिलेट्री कपनी कमाण्डर	10 लाख रूपये
3.	मिलेट्री प्लाटून कमाण्डर/डिप्टी कमाण्डर/सदस्य/एरिया कमेटी सचिव/ एक्शन कमाण्डर/टेकनिकल टीम प्रभारी	08 लाख रूपये
4.	एल.जी.एस. कमाण्डर/एल.ओ.एस. कमाण्डर	05 लाख रूपय
5.	एल.जी.एस. डिप्टी कमाण्डर/एल.ओ.एस.डिप्टी कमाण्डर/सेक्शन डिप्टी कमाण्डर	03 लाख रूपये
6.	मेडिकल टीम प्रभारी/ एक्शन टीम सदस्य	02 लाख रूपये
7.	एल.जी.एस. सदस्य/एल.ओ.एस. सदस्य/जनमिलिशिया कमाण्डर/ डीकेएमएस अध्यक्ष/केएमएस अध्यक्ष/सीएनएम अध्यक्ष	01 लाख रूपये
8.	प्रोत्साहन राशि	50 हजार रूपये

विनीत : जिला पुलिस,दक्षिण बस्तर-दन्तेवाड़ा (छ0ग0)

समस्त क्षेत्र वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं बधाई

विनीत

सरपंच मीणा मंडावी

ग्राम पंचायत कोड़ेनार किरंदुल

26 जनवरी गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

बधाई एवं शुभकामनाएं...

विनीतः- मंदिरा कंट्रक्शन किरंदुल

संकलनकर्ता बी रामू जिला प्रतिनिधि दंतेवाड़ा समाचार विज्ञापन के लिए संपर्क करें+919406259453

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26